RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 190 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 05-02-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 एसआईआर की कवायद में बंगाल को निशाना बनाया जा रहा : ममता
6 भारत-अमेरिका व्यापार : मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता
7 विपक्ष 11 साल में अपनी साख नहीं बना पाया : नड्डा

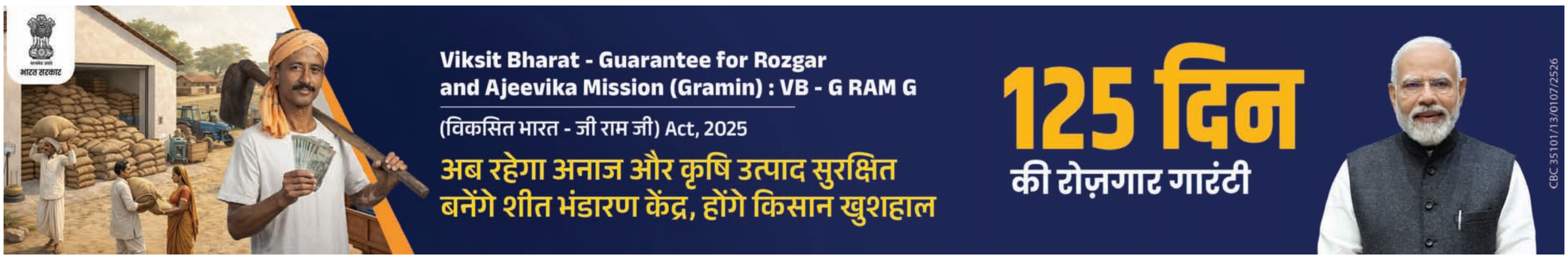

फर्स्ट टेक

म्यांमार में सेना समर्थित पार्टी को चुनाव में विजेता घोषित किया गया

बैंकॉक/एपी। म्यांमार की सैन्य समर्थित पार्टी चुनाव में विजयी होकर उभरी है। आधिकारिक आंकड़ों में बुधवार को यह जानकारी सामने आई। देश के सेना प्रमुख ने एक नए सलाहकार निकाय को अधिकृत करने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए हैं, जो उन्हें औपचारिक रूप से नई सरकार का नेतृत्व किए बिना भी अपना प्रभाव बनाए रखने की अनुमति दे सकता है। पूर्व जनरलों के नेतृत्व वाली यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी (यूएसडीपी) की जीत की व्यापक रूप से उम्मीद थी, क्योंकि मतदान प्रक्रिया से प्रमुख विपक्षी दलों को बाहर रखा गया था और असहमति को काफी हद तक सीमित कर दिया गया था। म्यांमार के संविधान में संसद की 25 प्रतिशत सीटें सेना के लिए आरक्षित हैं, जिससे प्रभावी रूप से सशस्त्र बलों और सहयोगी दलों का नियंत्रण सुनिश्चित होता है।

किसी भी देश से तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र है भारत : रूस

मास्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' ने बुधवार को कहा कि भारत किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है और अपने आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने के उसके फैसले में कुछ भी नया नहीं है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम और अन्य अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा विशेषज्ञ इस बात से भली-भांति परिचित हैं कि रूस, भारत को तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करने वाला एकमात्र देश नहीं है। भारत हमेशा से अन्य देशों से भी ये उत्पाद खरीदता रहा है, इसलिए हमें इसमें कुछ भी नया नजर नहीं आता।'' उनसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के बारे में पूछा गया था, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूसी तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदने पर सहमत हो गए हैं।

सेवा और सभी का कल्याण है भारत का धर्म : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खरगोन (मध्यप्रदेश)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह सेवा, कर्म और सामूहिक कल्याण की भावना का प्रतीक है। जिले के कसरावद में स्थित लेपा गांव में एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि भारतीय परंपरा उपकार करने में नहीं, बल्कि सेवा की भावना में निहित है और दूसरों की सेवा करना भारत का धर्म है।

संघ की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार सरसंघचालक ने कहा, ''हमारे यहां चैरिटी नहीं, अपितु सेवा है। जीवन में सेवा के जो भी अवसर मिलें, सेवा करना चाहिये। सेवा से हमारी शुद्धि होती है। जिसके पास जो हो, वो देना चाहिये।'' उन्होंने कहा कि दूसरों के दुखों को नजरअंदाज करते हुए खुशी का आनंद लेना मानवीय संवेदनशीलता के खिलाफ है और समाज के दर्द को कम करना भारत का अंतर्निहित स्वभाव है एवं इसी आधार पर भारत ने दुनिया को धर्म का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पराधीनता के दौर में भी भारत का यह चरित्र नहीं बदला।

'चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण' विषय पर अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उन्नति तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह समाज और राष्ट्र की पीड़ा को दूर करने के लिए होना चाहिए।

भागवत ने कहा कि श्रम की गरिमा और आत्मनिर्भरता के महत्व को सीखना ही सच्ची शिक्षा है। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति का मतलब केवल आर्थिक विकास नहीं है, बल्कि यह जल संसाधनों, जंगलों, नदियों, पहाड़ों, जानवरों और मनुष्यों का समग्र विकास है।

अमित शाह आज सहकारी टैक्सी सेवा ऐप पेश करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह बृहस्पतिवार को 'भारत टैक्सी', देश के पहले सहकारिता आधारित कैब सेवा मंच का दो महीने के सफल प्रायोगिक परीक्षण के बाद शुभारंभ करेंगे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है।

इस सेवा का लक्ष्य दो साल के भीतर सभी राज्यों और शहरों में विस्तार करना है। मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसायटीज़ एक्ट, 2002 के तहत पंजीकृत और छह जून, 2025 को स्थापित, भारत टैक्सी शून्य-कमीशन और सर्ज-फ्री प्राइसिंग मॉडल पर काम करती है, जिसमें ड्राइवरों को सीधे मुनाफ़ा बांटा जाता है। आठ शीर्ष सहकारी संगठनों द्वारा समर्थित, इस मंच ने दो दिसंबर को दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में पायलट परिचालन शुरू किया, जिससे ओला, उबर और रैपिडो जैसे स्थापित खिलाड़ियों को चुनौती मिली।

वाई खेमचंद सिंह ने मणिपुर के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। भाजपा नेता वाई खेमचंद सिंह ने बुधवार को मणिपुर के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 62 वर्षीय सिंह को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वालीं भाजपा विधायक नेमचा किपगेन और नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के विधायक एल. डिखो ने मणिपुर के उप मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। किपगेन ने नई दिल्ली स्थित मणिपुर भवन से ऑनलाइन माध्यम से शपथ ली।

भाजपा के गोविंदास कोंथौजम और एनपीपी नेता के. लोकेन सिंह ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन हटाए जाने के कुछ घंटों बाद यहां 'लोक भवन' में शपथ ग्रहण समारोह हुआ। अशांत मणिपुर पिछले साल फरवरी से राष्ट्रपति शासन के अधीन था।

शपथ ग्रहण समारोह में कई भाजपा विधायक, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी और राज्य के शीर्ष राजग नेता शामिल हुए। सिंह को मंगलवार को नई दिल्ली में भाजपा विधायक दल का नेता और उसके बाद राजग विधायक दल का नेता चुना गया।

पिछले साल नौ फरवरी को मेइती और कुकी समुदायों के बीच महीनों तक जारी रही जातीय हिंसा के बाद बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने इस्तीफे दे दिया था, जिसके बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था।

मणिपुर में तब से, इस हिंसा में कुकी और मेइती दोनों समुदायों के सदस्यों के साथ-साथ सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 260 लोग मारे गए हैं, जबकि हजारों लोग बेघर हुए हैं।

तमिलनाडु में कांग्रेस का असमंजस में दिखना 'इंडि' गठबंधन में दरार को दर्शाता है : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु में 'इंडि' गठबंधन में दरार पैदा होने का संकेत देते हुए द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए और कहा कि पार्टी इस बात को लेकर असमंजस में है कि आगामी विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़े या द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ। 'पीटीआई वीडियोज' को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि राजनीति में अभिनेता विजय के प्रवेश ने तमिलनाडु में चुनावी माहौल बदल दिया है, लेकिन चुनाव नतीजों से ही पता चल सकेगा कि उनमें कितना दम है।

सीतारमण ने यह सवाल भी किया कि सत्तारूढ़ द्रमुक पांच साल का कार्यकाल पूरा होने और सुशासन का दावा करने के बावजूद असुरक्षित क्यों दिख रही है। सीतारमण ने द्रमुक सरकार पर मादक पदार्थों की तस्करी, अनुसूचित जातियों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों और विश्वविद्यालयों में बढ़ती असुरक्षा जैसे कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों का समाधान निकालने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, किसी भी विपक्ष को ये सवाल पूछने चाहिए।

तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता विजय के प्रवेश के बारे में सीतारमण ने कहा कि उनकी मौजूदगी ने राज्य के चुनाव में दिलचस्पी बढ़ा दी है और द्रमुक इससे असहज हुई है। उन्होंने कहा, चुनाव परिणाम ही यह साबित करेंगे, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने चुनावी माहौल को बदल दिया है। वास्तव में उनकी पार्टी और वह जिस अंदाज में जोर लगा रहे हैं उससे तमिलनाडु के चुनाव में दिलचस्पी बढ़ गई है। सीतारमण ने कहा कि विजय के राजनीति में उतरने से द्रमुक असुरक्षित महसूस कर रही है।

किश्तवाड़ और उधमपुर में तीन आतंकवादी मारे गए

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और उधमपुर जिलों में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के तीन आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार शाम को किश्तवाड़ के बर्फ से ढके चतरू क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया, जबकि दो अन्य (जैश-ए-मोहम्मद के एक स्वघोषित शीर्ष कमांडर) आज सुबह उधमपुर जिले में मारे गए। सुरक्षा बलों की यह सफलता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बृहस्पतिवार से शुरू होने वाले तीन दिवसीय केंद्र शासित प्रदेश के दौरे से पहले मिली है। किश्तवाड़ क्षेत्र में आतंकवादियों की निरंतर खोज और उनके खात्मे के लिए घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में तलाशी अभियान के दौरान कई मुठभेड़ें हुई हैं। इसी क्रम में आज शाम लगभग 5.45 बजे किश्तवाड़ के दिच्छर क्षेत्र में 'काउंटर-इंसर्जेंसी फोर्स डेल्टा', व्हाइट नाइट कोर, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों द्वारा संचालित संयुक्त अभियान (त्राशी-1) में आतंकवादियों से सामना हुआ। सेना के व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया, ''एक आतंकवादी को सफलतापूर्वक मार गिराया गया है। अभियान जारी है।''

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया

प्रधानमंत्री डरे हुए हैं, सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज संसद में नहीं आए क्योंकि वह डरे हुए हैं और सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते हैं। राहुल गांधी पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण की एक प्रति लेकर संसद पहुंचे थे और कहा था कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में आते हैं तो वह यह पुस्तक उन्हें भेंट करेंगे।

लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जैसा मैंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी संसद में नहीं आएंगे क्योंकि वह डरे हुए हैं और सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते।'' इससे पहले, उन्होंने इस अप्रकाशित पुस्तक के एक अंश का हवाला देते हुए दावा किया कि जब चीन के टैंक भारत की सीमा की तरफ बढ़ रहे थे, उस वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन नहीं किया था। उन्होंने संवाददाताओं को पुस्तक दिखाते हुए कहा, ''वे (सरकार) कहते हैं कि यह किताब अस्तित्व में नहीं है, लेकिन यह रही किताब। भारत के हर युवा को यह देखना चाहिए कि यह किताब मौजूद है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौता ऐतिहासिक,

कृषि क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहे हम : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद में बुधवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा कि भारत इस समझौते में कृषि और दुग्ध क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है।

गोयल ने पहले लोकसभा में और फिर राज्यसभा में अपनी ओर से भारत एवं अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते पर एक वक्तव्य दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस समझौते से भारत को विकसित बनाने की दिशा में देश की यात्रा को मजबूती मिलेगी। गोयल ने कहा, ''दोनों देश नियमित रूप से चर्चा कर रहे थे...दोनों पक्षों ने विभिन्न स्तरों पर गहन बातचीत की है।''

उनका कहना था कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करते हुए यह समझौता करने में सफल रहे हैं।

मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर चर्चा की और इसके बाद ट्रंप ने अमेरिका के टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की।''

गोयल ने कहा, ''मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि यह अमेरिका द्वारा कई प्रतिस्पर्धी देशों पर लगाए गए शुल्क से कम है।'' उन्होंने कहा कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों को तुलनात्मक लाभ प्रदान करेगा। मंत्री के अनुसार, भारतीय पक्ष विशेष रूप से कृषि और दुग्ध क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है।

गोयल ने इस बात पर जोर दिया, ''खाद्य और कृषि क्षेत्र में भारत की संवेदनशीलता का ध्यान रखा गया है।'' उन्होंने कहा, ''यह ऐतिहासिक ढांचागत समझौता दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम है।''

क्या अमेरिका के दबाव में हुआ व्यापार समझौता : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर बुधवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या अमेरिका के दबाव में भारत ने किसी तरह का समझौता किया है। उन्होंने यह सवाल भी किया कि क्या भारत ने अमेरिकी आयात पर शुल्क को शून्य करने पर सहमति जताई है, जैसा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''क्या देश के किसान सुरक्षित हैं और क्या भारत ने अमेरिकी कृषि बाज़ार के लिए अपना कृषि क्षेत्र खोल दिया है।'' उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका कई वर्षों से साझा मूल्यों के आधार पर एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे थे, लेकिन अब स्थिति यह है कि यह पता नहीं चल पा रहा है कि व्यापार समझौता किस तरह का है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वाणिज्य मंत्री आनंद शर्मा ने दावा किया कि यह समझौता ''गोपनीयता के आवरण में लिपटा हुआ है'' और इसने व्यापार से परे ऐसे बुनियादी सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रॉफी

बुधवार को गुजरात के वडोदरा स्थित कोटंबी, बरोड़ा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में महिला प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल टी20 मैच से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (बाएं) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की कप्तान स्मृति मंधाना ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाते हुए।

05-02-2026	06-02-2026
सूर्यास्त 6:22 बजे	सूर्योदय 6:45 बजे

BSE	NSE
83,817.69	25,776.00
(+78.55)	(+48.45)

सोना	चांदी
16,417 रु.	279,298 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दागी – राग

वो भी दागी ये भी दागी,
दागी-दागी सब भ्राता।
वे चौरासी ये अड़तालिस,
उलट-पुलट सबका खाता।
मत के चक्कर में मत खोलो,
दागों का नंगा छाता।
आपस में कर लो ठगबंधन,
जुड़ा रहे सत्ता नाता।।

चांदी तीन लाख रुपए के करीब पहुंची, सोना 1.65 लाख रुपए पर

नई दिल्ली/भाषा। कीमती धातुओं ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन राष्ट्रीय राजधानी में अपनी तेज़ी को बरकरार रखा। इस दौरान चांदी की कीमतें बढ़कर 2.98 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गईं और सोना 1.65 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम रहा। कारोबारियों ने कहा कि मजबूत वैश्विक रुख, कमजोर डॉलर ने इस उछाल में योगदान दिया। पिछले सप्ताह की भारी बिकवाली के बाद डॉलर के कमजोर होने से निवेशकों में बहुमूल्य धातुओं के प्रति रुचि फिर से जगी थी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी 14,300 रुपए, या 5.03 प्रतिशत बढ़कर 2,98,300 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। पिछली सत्र में चांदी 2,84,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी तेजी से बढ़ा और 7,400 रुपए या 4.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,65,100 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया, जबकि मंगलवार को यह 1,57,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

बोइंग 787 विमानों की निगरानी जांच पूरी, ईंधन नियंत्रण स्विच में नहीं मिली खराबी : एयर इंडिया

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने बेड़े में शामिल बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों के 'ईंधन नियंत्रण स्विच' (एफसीएस) की एहतियाती जांच पूरी कर ली है और इस दौरान कोई समस्या नहीं पाई गई। रविवार को लंदन के हीथ्रो से बेंगलूरु की उड़ान के दौरान एक बोइंग-787 विमान के ईंधन स्विच में तकनीकी खराबी आने की रिपोर्ट के बाद यह जांच की गई थी। वर्तमान में एयर इंडिया के बेड़े में 33 बोइंग-787 विमान हैं जिनमें से 28 विमान परिचालन का हिस्सा हैं। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि उसने अपने बेड़े के सभी परिचालन वाले बोइंग 787 विमानों में ईंधन नियंत्रण स्विच की एहतियाती जांच पूरी कर ली है। एयर इंडिया ने कहा, जांच के दौरान कोई भी समस्या नहीं पाई गई। हमारे एक पायलट द्वारा दी गई जानकारी के बाद अत्यधिक सावधानी बरतते हुए यह निरीक्षण किया गया था। एयर इंडिया के एक पायलट ने सोमवार को लंदन हीथ्रो से बेंगलूरु की उड़ान संचालित करने के बाद बोइंग 787-8 विमान के ईंधन नियंत्रण स्विच के ठीक से काम न करने की सूचना दी थी। उसके बाद एयरलाइन ने उस विमान को जांच के लिए सेवा से हटा दिया था।

अहमदाबाद में डॉक्टरों ने मासूम के पेट से निकाला प्लास्टिक का खिलौना

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद के एक सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने डेढ़ साल के एक बच्चे के पेट से प्लास्टिक का पूरा खिलौना बाहर निकाला है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बच्चे ने इस खिलौने को निगल लिया था जिससे उसकी आंतों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता था। अस्पताल के बाल शल्य चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि जब अभिभावक डेढ़ साल के बच्चे को सिविल अस्पताल लेकर आए तो पता चला कि उसके पेट में एक लोकप्रिय कॉमिक सुपरहीरो 'हल्क' के पात्र जैसा छोटा खिलौना फंसा हुआ था। डॉ. जोशी ने बताया कि खिलौने को पूरी तरह बाहर निकाल लिया गया। वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा, अगर थोड़ी भी देरी होती, तो खिलौना पेट से आगे बढ़कर आंतों में फंस सकता था। ऐसी स्थिति में आंतों में रुकावट और उनके फटने का खतरा पैदा हो सकता था। डॉ. जोशी ने बताया कि 18 जनवरी को बच्चे की मां ने उसे उल्टी करते हुए और परेशान होते हुए देखा। एक खिलौना गायब होने पर उन्हें संदेह हुआ कि बच्चा उसे निगल गया है। खिलौना के निगलने की आशंका के कारण परिजन बच्चे को तुरंत सिविल अस्पताल ले गए।

'यूआईडीएआई ने दुरुपयोग रोकने के लिए ढाई करोड़ से अधिक आधार नंबर निष्क्रिय किए'

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने दुरुपयोग को रोकने के लिए 2.5 करोड़ से अधिक मृत व्यक्तियों के आधार नंबर निष्क्रिय कर दिए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि आधार दुनिया की सबसे बड़ी बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली है, जिसमें लगभग 134 करोड़ सक्रिय आधार धारक हैं। प्रसाद ने कहा, ''आधार डेटाबेस की लगातार सटीकता और शुद्धता बनाए रखने के लिए देशव्यापी अभियान के तहत, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने अब तक 2.5 करोड़ से ज़्यादा मृत व्यक्तियों के आधार नंबर निष्क्रिय कर दिए हैं।'' किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर, यह जरूरी है कि उसके आधार नंबर को निष्क्रिय कर दिया जाए ताकि संभावित पहचान धोखाधड़ी, या कल्याणकारी लाभ लेने के लिए ऐसे आधार नंबर के अनधिकृत उपयोग को रोका जा सके।

रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार 'तुष्टीकरण की राजनीति' में लिप्त है : नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ''तुष्टीकरण की राजनीति'' में लिप्त है और तेलुगु लोगों, भाषा और वर्तमान सामाजिक ताने-बाने का दमन कर रही है।

नवीन ने महबूबनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री खुलेआम ऐसे नारे लगाते हैं जिनसे संस्कृति और सनातनी परंपराओं को नुकसान पहुंचता है और ''कांग्रेस का मतलब मुसलमान और मुसलमान का मतलब कांग्रेस'' जैसे नारे उनकी राजनीति के पीछे की मानसिकता को दर्शाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के दौरान मंदिरों पर हमले हुए। नवीन ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''कांग्रेस सिर्फ मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति के लिए काम करती है, आम जनता के लिए नहीं। तेलंगाना के लोग और तेलुगु भाषी लोग उनके लिए कुछ भी मायने नहीं रखते।''

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में वक्फ बोर्ड देश के सबसे धनी बोर्ड में से एक बन गया है, जिसके पास लगभग 77,000 एकड़ जमीन है।

उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि सरकार जानबूझकर समाज के हितों की कीमत पर वक्फ बोर्ड को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों सरकारें तेलंगाना की जनता से किये गए वादों को पूरा करने में विफल रही हैं।

नवीन ने कहा कि हाई स्पीड रेल कॉरिडोर और हल्दी बोर्ड की घोषणाएं तेलंगाना के विकास के प्रति राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (सरकार) की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

व्यापार समझौते अनिश्चितताओं को खत्म करते हैं, पूंजी सृजन में आती है तेजी : सेबी प्रमुख पांडेय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि अमेरिका जैसे देशों के साथ व्यापार समझौतों के जरिये व्यापारिक तनाव खत्म होने से अनिश्चितताएं दूर होती हैं जिससे पूंजी सृजन में तेजी आने में मदद मिलती है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के विदेशी निवेशकों को देश में अधिक धन लगाने के लिए प्रेरित करने के सवाल पर पांडेय ने कहा कि ऐसे कदम निवेश संबंधी फैसलों को ''प्रोत्साहित'' कर सकते हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, '' मूल रूप से जब किसी नियामकीय कार्रवाई का बोझ हटता है और व्यापारिक तनाव खत्म होते हैं, तो पूंजी सृजन की प्रक्रिया हमेशा तेज होती है।''' सेबी प्रमुख ने कहा कि अनिश्चितताओं के दूर होने से निवेश निर्णयों को बल मिलता है और पूंजी को लेकर अधिक समझ आती है। उन्होंने कहा, '' कुल मिलाकर मौजूदा हालात में कहा जा सकता है कि व्यापार से जुड़े जो समझौते हुए हैं, उनसे काफी हद तक अनिश्चितताएं दूर हुई हैं।''

कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार को मजबूती देने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी द्वारा आयोजित एक सम्मेलन के इतर बातचीत करते हुए पांडेय ने वायदा-विकल्प सौदों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने के सरकार के प्रस्ताव पर टिप्पणी करने से हालांकि इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, '' इस समय हम किसी भी नए कदम पर विचार नहीं कर रहे हैं और जो ढांचा हमने लागू किया है, वही जारी रहेगा।

बिरला का राहुल पर परोक्ष पलटवार

बोलने की अनुमति देना, नहीं देना नियम प्रक्रिया से निर्धारित होता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर इशारों-इशारों में पलटवार करते हुए कहा कि सदन में बोलने की अनुमति देना या नहीं देना नियम-पक्रिया से निर्धारित होता है।

राहुल गांधी ने मंगलवार को बिरला को पत्र लिखकर उन पर सरकार के इशारे पर खुद को सदन में बोलने से रोकने का आरोप लगाते हुए कहा था कि यह लोकतंत्र पर 'काला धब्बा' है। लोकसभा की कार्यवाही बुधवार को जब एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे शुरू हुई तो बिरला ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वक्तव्य देने के लिए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का नाम पुकारा। गोयल ने सदन में विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच वक्तव्य पढ़ा। इस दौरान विपक्षी सदस्य आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी कर रहे थे। गोयल के वक्तव्य देने के दौरान कुछ विपक्षी सदस्य सत्तापक्ष की अग्रिम पंक्तियों की तरफ भी पहुंच गए। बिरला ने विपक्षी सदस्यों से कहा, ''इस देश में अलग-अलग समय आप सरकार में रहे हैं। मेरा मत है कि इतने लंबे समय तक सरकार में रहने के बावजूद आप सदन की परंपराओं और मर्यादाओं को तोड़ रहे हैं। विरोध का तरीका और हो सकता है। लेकिन आप उस जगह (सत्तापक्ष की सीटों की तरफ) जाकर मर्यादाओं को तोड़ेंगे तो लोकतंत्र के प्रति लोगों को विश्वास कम होगा।'' उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा, ''आप चुनकर आते हैं। सदन के अंदर और बाहर विरोध का तरीका होता है। लेकिन आप इतने वरिष्ठ नेता हैं, आपने लंबे समय तक शासन किया है। बोलने की अनुमति देना या नहीं देना नियम प्रक्रिया से निर्धारित होता है। क्या आप मर्यादा तोड़ेंगे?

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने लांबासिंगी में केसर की खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

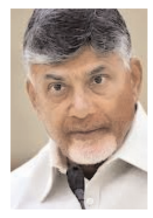

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आधिकारियों को निर्देश दिया कि कंपनियों को लांबासिंगी में बड़े पैमाने पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत केसर खेती की अनुमति दी जाये। नायडू ने कृषि और संबंधित क्षेत्रों के प्रदर्शन की समीक्षा कर केसर की खेती में स्थानीय जनजातीय समुदायों की भागीदारी का आह्वान किया। मंगलवार देर शाम जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा, ''ऐसी कंपनियां जो लांबासिंगी में बड़े स्तर पर केसर की खेती के लिए पीपीपी मॉडल के तहत स्थानीय जनजातीय समुदायों को शामिल करेगी, उन्हें ही अनुमति मिलेगी।''

अल्लूरी सीताराम राजू जिले के चिंतापल्ली मंडल में स्थित छोटे गांव लांबासिंगी को ''आंध्र प्रदेश के कश्मीर'' के रूप में जाना जाता है। प्राकृतिक सौंदर्य से घिरे लांबासिंगी में पहले से ही कॉफी, काली मिर्च और स्ट्रॉबेरी की खेती की जाती है। मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन से जुड़ी गतिविधियों के पंजीकरण को अनिवार्य करने की बात भी कही। नायडू ने अधिकारियों से आंध्र प्रदेश को देश के सबसे बड़े प्राकृतिक खेती के केंद्र के रूप में विकसित करने का भी आह्वान किया।

राकांपा विलय वार्ता पर टिप्पणी का फडणवीस को कोई हक नहीं: शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारामती/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राकांपा के दोनों गुटों के बीच विलय को लेकर हुई चर्चाओं का हिस्सा नहीं थे, इसलिए उन्हें इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने दावा किया कि राकांपा (शप) के नेता जयंत पाटिल और उनके भतीजे एवं राकांपा प्रमुख रहे अजित पवार विलय वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती में विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। अजित पवार की मृत्यु के बाद, शरद पवार और उनकी पार्टी के अन्य नेताओं ने दावा किया था कि विलय को लेकर बातचीत अंतिम चरण में थी और अजित पवार ने दोनों गुटों को एक करने की घोषणा के लिए 12 फरवरी की तारीख तय कर ली थी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा था कि अगर वास्तव में विलय को लेकर बातचीत की जा रही होती, तो अजित पवार ने उन्हें इसकी जानकारी दी होती। फडणवीस की इन टिप्पणियों बारे में पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि उन्हें मेरा नाम लेने का क्या अधिकार है? जब वह विलय की बातचीत में कहीं भी शामिल नहीं थे, तो उन्हें इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

राहुल गांधी के केंद्रीय मंत्री बिट्टू को 'गद्दार' कहने पर विवाद, भाजपा का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'गद्दार' वाली टिप्पणी की बुधवार को कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि राहुल के इस बयान से पूरा सिख समुदाय आहत है।

भाजपा ने कहा कि राहुल की यह टिप्पणी 'प्रत्येक सिख पर भद्दी टिप्पणी है' और साथ ही लोकसभा अध्यक्ष से विपक्ष के नेता के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग भी की। राहुल की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कांग्रेस नेता ने शिष्टता की सभी सीमाएं पार कर दी हैं। भाजपा ने अपनी सिख नेताओं, जिनमें पुरी और दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा शामिल हैं, को मैदान में उतारा और कांग्रेस पर 1984 के सिख विरोधी दंगों जैसी 'सिख विरोधी मानसिकता' रखने का आरोप लगाया है।

सिरसा ने कहा कि 'असली गद्दार' गांधी परिवार है जिसने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर को टैंकों और बंदूकों से अपवित्र किया तथा सिखों के गले में टायर डालकर उन्हें जिंदा जला दिया।

सिख समुदाय से संबंध रखने वाले बिट्टू लुधियाना और आनंदपुर साहिब से तीन बार सांसद रहे हैं और फिलहाल केंद्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री हैं। वह 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच बुधवार को नोकझोंक देखने को मिली जब संसद परिसर में कांग्रेस नेता ने उन्हें 'गद्दार' कहकर संबोधित किया और उसके जवाब में बिट्टू ने 'देश का दुश्मन' कहा।

यह घटना संसद के मकर द्वार के निकट उस वक्त घटी, जब वहां वर्तमान बजट सत्र की शेष अवधि से निलंबित किए गए आठ विपक्षी सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। राहुल गांधी इनके साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए प्रदर्शन में शामिल थे। कांग्रेस के नेता रह चुके बिट्टू संसद भवन में प्रवेश कर रहे थे और वह टिप्पणी करते सुने गए कि ये (प्रदर्शन कर रहे सांसद) जंग जीतकर आए हैं।

पालघर में दस्तावेज सत्यापन के लिए 100 से अधिक नाइजीरियाई नागरिक हिरासत में, कोकीन जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालघर (महाराष्ट्र)/भाषा। पालघर जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बुधवार को नालासोपारा पूर्व क्षेत्र में दस्तावेजों के सत्यापन के लिए 109 नाइजीरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया। अभियान के दौरान ली गई तलाशी में लगभग दो किलोग्राम कोकीन जब्त की गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि अब तक इनमें से किसी ने भी वैध यात्रा और निवास संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए हैं।

पुलिस उपायुक्त पूर्णिमा चौगुले-श्रृंगी ने कहा कि मीरा-भयंदर वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस की टीम ने सुबह छह बजे तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने कहा, एक जगह पर हमने एक व्यक्ति से दो किलोग्राम कोकीन जब्त की है और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है।

अधिकारी ने बताया कि नाइजीरिया, युगांडा और घाना सहित कई देशों के नागरिक नालासोपारा, अचोले और तुलिंज में रहते हैं और ये मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल पाए गए हैं।

भारत के लिए लगातार दो अंकीय वृद्धि हासिल करना संभव : मुकेश अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बुधवार को कहा कि भारत के लिए निरंतर दोहरे अंकों की वृद्धि संभव है और किसी भी देश को स्थिर आर्थिक नेतृत्व ही परिभाषित करता है।

यहां जियोब्लैकरॉक के कार्यक्रम में अंबानी ने कहा कि अगले दशक में भारत अपनी 80 प्रतिशत ऊर्जा का आयात नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि भारत के हर गांव में 5जी नेटवर्क है जो किसी भी अन्य देश से बेहतर एवं सस्ते हैं। अंबानी ने कहा कि आर्थिक वृद्धि के लिए 15-20 वर्ष तक निरंतर कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सद्भाव आवश्यक है। उन्होंने कहा, '' मैं स्पष्ट तौर पर देश में रिलायंस जैसी 100 नई कंपनियों को उभरते हुए देखता हूं।''

सच्चाई सामने आने से डर रही है सरकार, इसलिए राहुल को बोलने नहीं दे रही : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को दावा किया कि सरकार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने नहीं दे रही है क्योंकि वह इस बात को लेकर डरी हुई है कि चीन के साथ सैन्य तनाव के समय की उसकी सच्चाई सामने आ जाएगी।

राहुल गांधी ने सोमवार और मंगलवार को लोकसभा में, पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण पर आधारित लेख का हवाला देते हुए चीन से संबंधित मुद्दा उठाने का प्रयास किया था, लेकिन आसन से इसकी अनुमति नहीं मिली। हालांकि, उन्होंने मंगलवार को इस लेख को सत्यापित किया और सदन के पटल पर रखा। इस विषय और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर सदन में गतिरोध बना हुआ है।

इस बीच, बुधवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू के अलावा एक पूर्व नौकरशाह और एक विधिवेत्ता की किताबों का जिक्र करते हुए प्रथम प्रधानमंत्री और कांग्रेस के अन्य नेताओं पर निशाना साधा तथा उन पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने का आरोप लगाया।

प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''जब मोदी सरकार सदन को बाधित करना चाहती है, तो निशिकांत दुबे को बोलने के लिए खड़ा कर देती है। जहां, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी को संसद में, एक पब्लिश हो चुकी किताब से कुछ उद्धृत नहीं करने दिया गया, वहीं निशिकांत दुबे 6 किताबें लिए हुए हैं, सामने से दिखा रहे हैं, उनमें से उद्धृत कर रहे हैं, लेकिन उनका माइक बंद नहीं किया जा रहा है।'' उन्होंने दावा किया, ''मोदी सरकार दिखाना चाहती है कि संसद में सिर्फ उन्हीं की चलती है। यह लोकसभा अध्यक्ष पद, संसद, लोकतंत्र और देश की जनता का निरादर है।''

प्रियंका ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष कोई एक व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि वह पूरे विपक्ष के प्रतिनिधि हैं, जिसका मतलब यह है कि सरकार उन करोड़ों लोगों का मुंह बंद करना चाहती है, जिन्होंने विपक्ष के सांसदों को वोट दिया है।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''एक तरफ नेता प्रतिपक्ष को बोलने से रोका जाता है, वहीं दूसरी तरफ किसी को खड़ा कर तमाम फिजूल की बातें बोलने दी जाती हैं। सदन में बार-बार नेहरू जी का नाम लिया जाता है। ये सनक है, जिससे देश का ध्यान भटकाया जा रहा है।''

प्रियंका ने दावा किया, ''मोदी सरकार चाहती है कि लोगों को नरवणे जी की लिखी बातें न पता चलें। जब चीन की सेना हमारी सरहद पर थी, तो सत्ता में बैठे नेता निर्णय ही नहीं ले पा रहे थे कि अब क्या करना है। दो घंटे बाद सरकार यह कहती है कि आप खुद ही निर्णय ले लो और भाजपा के यही लोग इंदिरा गांधी जी और इतिहास की बातें करते हैं।''

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए की गई : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बयान में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का कोई विवरण नहीं दिया गया और सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए इस समझौते के बारे में घोषणा की गई। संसद में बुधवार को, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा कि भारत इसमें कृषि और दुग्ध क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज संसद के दोनों सदनों में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री द्वारा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर पढ़ा गया बयान असल में कोई बयान ही नहीं था। इसमें कोई विवरण नहीं दिया गया, क्योंकि उन पर अभी भी बातचीत जारी है।'' उन्होंने दावा किया कि गोयल के बड़े-बड़े दावे पूरी तरह उन बातों के विपरीत हैं, जो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका की कृषि मंत्री तथा अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कही हैं।'' रमेश ने कहा, ''यह 100 प्रतिशत स्पष्ट है कि सोमवार को प्रधानमंत्री के आग्रह पर समझौते की जो घोषणा की गई, वह सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए थी और कुछ नहीं। यह उनकी ओर से तत्काल और क्षणिक 'डैमेज कंट्रोल' था।'' उन्होंने कहा कि हालांकि, जब समझौते का पूरा विवरण आखिरकार सामने आएगा, तो भारतीय किसानों को होने वाला नुकसान स्पष्ट रूप से सामने आ जाएगा।

आबकारी मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर रातभर हुआ प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) के विधायकों ने रातभर विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया और इस दौरान उन्होंने भजन, जयकारे और नारेबाजी की। भाजपा और जद(एस) विधायक मंगलवार रात से ही आबकारी मंत्री आर बी तिम्मापुर के इस्तीफे की मांग को लेकर विधानसभा परिसर में धरना दे रहे हैं।

विपक्ष ने आबकारी विभाग में व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा है कि शराब लाइसेंस जारी करने के नाम पर रिश्वत मांगी जा रही है। विपक्ष के नेता आर अशोक ने आरोप लगाया कि आबकारी विभाग में करीब 6,000 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस धन का इस्तेमाल सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा चुनावी राज्यों में पार्टी को वित्तपोषित करने के लिए किया जा रहा है।

लोकायुक्त की टीम द्वारा 16 जनवरी को बेंगलूरु शहरी जिले के आबकारी उपायुक्त जगदीश नाइक और दो अन्य अधिकारियों को कथित तौर पर 25 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किए जाने से मामला और गर्मा गया है। लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि इन अधिकारियों पर 'सीएल–7' (होटल एवं बोर्डिंग हाउस) और 'माइक्रो ब्रूअरी' लाइसेंस जारी करने के लिए 80 लाख रुपये की मांग करने का आरोप है।

विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए आबकारी मंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने विभाग में भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने यह भी कहा, ''मेरे विभाग में भ्रष्टाचार कोई नयी बात नहीं है।'' तिम्मापुर ने भाजपा की इस्तीफे की मांग को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान भी किसी मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया था। भाजपा नेताओं ने विधानसभा हॉल के बाहर सीढ़ियों पर प्रदर्शन किया और बाद में पूरी रात विधानसभा परिसर में ही रहे। इस दौरान विधायक डफली बजाते हुए तिम्मापुर के इस्तीफे की मांग को लेकर ''श्री राम, जय राम, जय जय राम' के नारे भी गाए। विपक्षी विधायकों ने भविष्य की रणनीति तय करने के लिए बैठक भी की। शिकारीपुरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र समेत कुछ विधायकों ने बुधवार सुबह विधान सौध परिसर में व्यायाम किया और सैर करते नजर आए। भाजपा विधायकों ने कहा है कि जब तक तिम्मापुर इस्तीफा नहीं देते, तब तक वे विधानसभा के भीतर अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

सड़क पर निर्वस्त्र अवस्था में घूमते एक व्यक्ति का वीडियो वायरल, गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की एक व्यस्त सड़क पर निर्वस्त्र हालत में दिखाई दे रहे एक युवक का सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आने के बाद सार्वजनिक उपद्रव करने के आरोप में उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दो फरवरी को यहां लेवले रोड पर एक निजी क्लब के परिसर के बाहर यह घटना हुई।

पुलिस के अनुसार, क्लब में पहुंचे उस व्यक्ति ने दावा किया कि उसके पिता क्लब के सदस्य हैं और वह वहां प्रवेश की मांग करते हुए सुरक्षाकर्मियों से बहस करने लगा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रवेश नहीं दिए जाने पर उसने कथित तौर पर अपने कपड़े उतार दिए और परिसर के बाहर हंगामा किया। ऑनलाइन प्रसारित हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति एक कार के बोनट से सटकर खड़ा हो जाता है, जिससे कार का रास्ता रुक जाता है। बाद में जब चालक गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए मोड़ता है, तो वह सड़क पर गिर जाता है। अधिकारी ने कहा, इस घटना के संबंध में हमने दो प्राथमिकी दर्ज की हैं ''एक व्यक्ति के खिलाफ सार्वजनिक उपद्रव करने के लिए और दूसरी कार चालक के खिलाफ है।''

शिवकुमार ने आबकारी मंत्री के इस्तीफे की भाजपा की मांग को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की उस मांग को खारिज कर दिया जिसमें आबकारी मंत्री आर. बी. तिम्मापुर के इस्तीफे की मांग की गई थी। भाजपा ने उनके विभाग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का हवाला दिया था। राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने भी कहा कि विपक्ष भ्रष्टाचार का कोई सबूत नहीं दे रहा है। भाजपा ने मंगलवार रात से बुधवार सुबह तक कर्नाटक विधानसभा में रात भर धरना प्रदर्शन किया। सत्र शुरू होते ही पार्टी ने विधानसभा के अंदर भी प्रदर्शन किया।

यह प्रदर्शन उस समय हुआ जब राज्य सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह 'विकसित भारत–रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन–ग्रामीण' (विकसित भारत–जी राम जी) कानून को लागू करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार परिदृश्य पर इसके प्रभावों पर चर्चा शुरू की थी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा एक गैर–जरूरी मुद्दे को उठा रही है और तिम्मापुर को इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से कहा, कोई सबूत नहीं हैं, उनके (भाजपा) पास कोई मुद्दा नहीं है और उन्होंने सभी झूठे मुद्दे गढ़े हैं। वे इस मुद्दे को जिंदा रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा मनरेगा पर चर्चा से बचने के लिए प्रदर्शन कर रही थी।

सिगरेट के भुगतान को लेकर हुए विवाद में दुकानदार की हत्या

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी जिले में शराब के सेवन से शुरू हुआ एक विवाद सिगरेट के पैसे को लेकर हुई बहस के बाद हिंसक हो गया, जिसमें जिले के एक दुकानदार की जान चली गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना मंगलवार रात हुई जब कथित रूप से नशे में धुत चार युवकों ने सिगरेट के पैसे मांगने पर दुकानदार पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान 48–वर्षीय यल्लप्पा दुर्गप्पा नाइक के रूप में हुई है, जो एक किराना दुकान का मालिक था। पुलिस ने बताया कि आरोपी कडोली गांव के निवासी हैं। वे एक मेले में शामिल होकर लौट रहे थे और इसी दौरान नाइक की दुकान पर सिगरेट खरीदने के लिए रुक गए।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ओपन निविदा सूचना सं: BE-29-2025-26-OT-29 (ई-टेंडरिंग माध्यम से)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

निविदा सं:	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि
BE-29-2025-26-OT-29	1) बेंगलुरु विभाग में एचएबीडी की स्थापना के लिए बिजली की सप्लाई की व्यवस्थाय़ 2) यशवंतपुर - संपिगे रोड विभाग के निडवंदा में रोड-01 की तरफ प्रस्तावित रोड-1ए का निर्माण। 3) केएसआर बेंगलुरु - पीएफ 7 और 8 के कम ऊंचाई वाले शेल्टर को बदलना, दूसरी प्रवेश बिल्डिंग और प्लेटफॉर्म प्रवेश बीच खुले प्रदेश में ग्रेनाइट फ्लोरिंग सहित शेल्टर की व्यवस्था। 4) धर्मपुरी गुड शेड में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण का बचा हुआ काम - बिजली की व्यवस्था।	रु. 1,54,38,265/-	23.02.2026 / 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें

PUB/863/AAF/PRB/SWR/2025-26 वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/सामान्य/बेंगलूरु

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

कर्नाटक विधानसभा ने प्रस्ताव पारित किया

रद्द हो 'विकसित भारत-जी राम जी' योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा और उसकी सहयोगी जद (एस) के सदस्यों के बहिर्गमन के बीच कर्नाटक विधानसभा ने बुधवार को केंद्र से 'विकसित भारत–जी राम जी' अधिनियम को तुरंत रद्द करने और मनरेगा को फिर से लागू करने का आग्रह करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। यह प्रस्ताव मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पेश किया था, जिसे आज सदन ने स्वीकार कर लिया।

प्रस्ताव पारित होने के बाद, विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि भाजपा सत्ताधारी कांग्रेस द्वारा लाए गए प्रस्ताव का विरोध करती है और विकसित भारत–रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी–जी राम जी) का समर्थन करती है। उन्होंने भाजपा की यह मांग भी दोहराई कि राजस्व मंत्री आर बी तिम्मापुर को इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि राजस्व विभाग में 6,000 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है।''

बिहार एसटीएफ ने बेंगलूरु में कुख्यात बाप-बेटे को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बिहार पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पटना के कुख्यात अपराधी मनोज सिंह और उसके बेटे माणिक सिंह को बेंगलूरु से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों करीब पांच साल से फरार थे और पटना के नौबतपुर इलाके में दहशत फैलाने के लिए बदनाम थे। माणिक सिंह पर 24 से ज्यादा हत्याओं के आरोप हैं, साथ ही जबरन वसूली, अपहरण और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन सहित 40 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, मनोज सिंह और माणिक सिंह एक संगठित अपराध सिंडिकेट चला रहे थे। वे बिल्डरों, व्यापारियों और बिजनेसमैन से रंगदारी वसूलते थे। इन पर बिहटा कोर्ट हत्याकांड समेत लूट, हत्या और अन्य संगीन अपराधों के मामले थे। दोनों पर गिरफ्तारी की जानकारी देने के लिए 3–3 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। साल 2015 में उन्हें पहले गिरफ्तार किया गया था। लेकिन, जमानत मिलने के बाद वे फिर से अपराध की दुनिया में सक्रिय हो गए और फरार हो गए।

एसटीएफ ने लंबी खुफिया निगरानी और सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। गिरफ्तारी के दौरान एनकाउंटर के डर से दोनों ने पहले एक वीडियो वायरल किया था, लेकिन एसटीएफ की टीम ने घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया। अब पूछताछ में गैंग के पूरे नेटवर्क, उनके साथी, तस्करी के रास्ते और अन्य अपराधों की जानकारी जुटाई जा रही है। बिहार पुलिस ने कहा है कि संगठित अपराध को जड़ से खत्म करने के लिए ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी। आम लोगों से अपील की गई है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी पुलिस को दें। इस सफलता से बिहार में कानून–व्यवस्था मजबूत करने में मदद मिलेगी और ऐसे गैंग्स पर लगाम लगेगी।

ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರ
ಸೂಲಿಕೆರೆ ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯತ್ ಕಾರ್ಯಾಲಯ
ಬೆಂಗಳೂರು ದಕ್ಷಿಣ ತಾಲ್ಲೂಕು, ಬೆಂಗಳೂರು ನಗರ ಜಿಲ್ಲೆ

ಸಂಖ್ಯೆ: ಸೂ.ಗ್ರಾ.ಪಂ/ಟೆಂಡರ್–233/2025–2026 ದಿನಾಂಕ : 04.02.2026

ಇ–ಟೆಂಡರ್ ಪ್ರಕಟಣೆ

ಅಧ್ಯಕ್ಷರು ಹಾಗೂ ಪಂಚಾಯತ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಅಧಿಕಾರಿ, ಸೂಲಿಕೆರೆ ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯತಿಯಲ್ಲಿ 2025–26 ನೇ ಸಾಲಿನ ವರ್ಗ–1/15ನೇ ಹಣಕಾಸು ಯೋಜನೆ/ವಿವಿಧ ಯೋಜನೆಯಡಿ ವಿವಿಧ ಸಾಮಾಗ್ರಿ ಖರೀದಿ/ಸೇವೆ ಪಡೆಯಲು ಇ–ಟೆಂಡರ್ ಆಹ್ವಾನಿಸಲಾಗಿದೆ ವಿವರ ಕೆಳಗಿನಂತಿದೆ.

ಕ್ರ.ಸಂ	ವಿವರ	Tender No
01	ಮಾನವ ಶಕ್ತಿಯ ಪೂರೈಕೆ	RDPR/2025-26/SE2982/CALL-3
02	ತುರ್ತು ನೈರ್ಮಲ್ಯ ಸ್ವಚ್ಛತೆ ಮತ್ತು ತೆರವುಗಾಗಿ ಜೆಸಿಬಿ ಟ್ರ್ಯಾಕ್ಟರ್ ಸೇವೆ ಒದಗಿಸಲು	RDPR/2025-26/SE2976/CALL-3
03	Supplying of Loaders, Drivers, Helpers and Autotippers on Outsource Basis for Solid Waste Management For Sulikere GP	RDPR/2025-26/SE2978/CALL-3

1)ಟೆಂಡರ್ ದಾಖಲಾತಿಗಳನ್ನು ಇ–ಪ್ರಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್‌ನಿಂದ ಡೌನ್‌ಲೋಡ್ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ದಿನಾಂಕ: 02.02.2026 ರಿಂದ 17.02.2026 ಸಂಜೆ 16.00 ಗಂಟೆಯ ವರೆಗೆ ಸಲ್ಲಿಸಬಹುದು.
ಕೆಲಸದ ಹೆಸರು/ಪೂರೈಕೆದಾರರ ಅರ್ಹತೆ/ಟೆಂಡರ್ ನಿಯಮಗಳು/ಟೆಂಡರ್ ಪ್ರೋಸೆಸ್ಸಿಂಗ್/ EMD ಫೀ ಇತ್ಯಾದಿ ವಿವರಗಳಿಗೆ www.KPPP.karnataka.gov.in . ಮೂಲಕ ಪಡೆಯಬಹುದು.

ಸಹಿ/ಪಂಚಾಯತ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಅಧಿಕಾರಿ.
ಸೂಲಿಕೆರೆ ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯತ್

ಸಹಿ/–
ಅಧ್ಯಕ್ಷರು
ಸೂಲಿಕೆರೆ ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯತ್

ವಾಸಾಸಂ/ವಾಪ್ರ/ಶಿರಡಿ ಸಾಯಿ/5408/2025–26

बेंगलूरु में आवासीय क्षेत्र से अवैध विस्फोटक जब्त

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक आवासीय क्षेत्र में पत्थर तोड़ने के लिए 'गैरकानूनी' तरीके से इस्तेमाल की जा रही विस्फोटक सामग्री भारी मात्रा में जब्त की गई है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जब्त की गई सामग्रियों में स्टोन–क्रशर पाउडर, जिलेटिन की छड़ें, तरल विस्फोटक, एक ट्रैक्टर और निर्माण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक वाहन शामिल हैं। इसी के साथ खुदाई करने वाला एक वाहन भी बरामद किया गया।

पुलिस ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए हुलीमावु पुलिस ने मंगलवार को अक्षयनगर में निरीक्षण किया था। पुलिस ने इस संबंध में दर्ज कराई गई एक शिकायत के हवाले से कहा है कि एक आवासीय क्षेत्र के भीतर एक जगह पत्थर के बड़े खंडों को तोड़ने के लिए विस्फोटकों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे आसपास की इमारतों को नुकसान पहुंच रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने बम निरोधक दस्ते के साथ मिलकर शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए स्थान का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान पुलिस ने चार बैग स्टोन–क्रशर पाउडर के जब्त किए, जिनमें से प्रत्येक का वजन 20 किलोग्राम (कुल 80 किलोग्राम) था। इसके अलावा, 20 तरल विस्फोटक छड़ें और 30 जिलेटिन डिटोनेटर (जो विस्फोटक पदार्थ को सक्रिय करने का काम करता है) तार भी जब्त किए गए। पुलिस ने कहा कि मामले में शामिल लोगों की पहचान और उनका पता लगाने के लिए जांच जारी है।

कर्नाटक में मध्याह्न भोजन के बाद 20 बच्चे बीमार, अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। कर्नाटक के बीदर जिले के एक सरकारी स्कूल के लगभग 20 बच्चों को मध्याह्न भोजन के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि भोजन के विषाक्त होने का संदेह है। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार को जिले के औराद तालुक के जमालपुरा सरकारी प्राथमिक विद्यालय में हुई।

अधिकारियों के अनुसार, मध्याह्न भोजन में सांभर, चावल और अन्य व्यंजन दिए गए थे जिसे खाने के बाद कुछ छात्रों ने पेट दर्द, मतली और दस्त की शिकायत की और कुछ छात्रों को उल्टी भी हुई। इससे चिंतित शिक्षकों ने एहतियात के तौर पर स्कूल के सभी 58 छात्रों को औराद तालुक अस्पताल पहुंचाया।

उन्हें आवश्यक दवा दी गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनमें से केवल 20 में बीमारी के लक्षण दिखे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उन्होंने कहा, 20 बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और अब उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। मध्याह्न भोजन के बाद उन्हें भोजन विषाक्तता होने का संदेह है। इनमें से पांच से छह छात्र अब भी अस्पताल में भर्ती हैं, जिन्हें निगरानी में रखा गया है। इसके बाद ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने के बारे में निर्णय लिया जाएगा।''

बीदर की उपायुक्त शिल्पा शर्मा ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि बच्चों की स्थिति फिलहाल स्थिर है। उन्हें परोसे गए भोजन के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेज दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ''रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।''

बीएचईएल को हिंडाल्को इंडस्ट्रीज से 1,500 करोड़ रुपये तक का ठेका मिला

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीएचईएल को हिंडाल्को इंडस्ट्रीज से 1200–1500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। बीएचईएल ने बुधवार को बताया कि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की इकाई आदित्य एल्युमिनियम से इस संबंध में आशय पत्र (एलओआई) मिला है। इसमें दो गुणा 150 मेगावाट बीटीजी (बॉयलर, टर्बाइन व जनरेटर) पैकेज के लिए डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, स्थान उपलब्ध कराना, अनलोडिंग' व भंडारण, स्थापना, उसे चालू करना और गारंटी परीक्षण आदि शामिल हैं।

बीएचईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि यह परियोजना ओडिशा के संबलपुर जिले के लपंगा में करीब तीन वर्ष की अवधि में पूरी की जाएगी।

भारी उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाली बीएचईएल ऊर्जा तथा अवसंरचना क्षेत्रों में भारत के सबसे बड़े इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण कंपनियों में से एक है। यह विश्व स्तर पर अग्रणी विद्युत उपकरण विनिर्माता है।

अभिभाषण चर्चा : रास में विपक्ष ने बताई समस्याएं, सत्ता पक्ष ने गिनाई उपलब्धियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

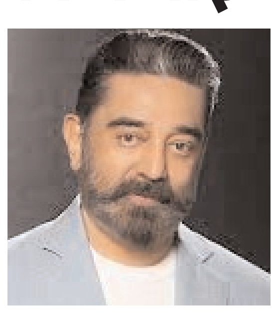

बेंगलूरु/नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को मक्कल नीधि मैयम (एमएनएम) नेता कमल हासन ने आजादी के करीब 70 साल बाद भी आम आदमी की मूलभूत समस्याएं खत्म नहीं होने का दावा करते हुए कहा कि हमें आत्ममंथन करना होगा कि हम विकास की बात कैसे करते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर पेश धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए कमल हासन ने कहा कि समस्याएं कम होने के बजाय अलग–अलग तरीके से बढ़ती गई हैं। उन्होंने कहा कि हम मतदान करना चाहते हैं लेकिन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में नाम में चूक की वजह से हम सवालों के घेरे में आ जाते हैं।

एमएनएम सदस्य ने कहा कि ''एसआईआर प्रक्रिया में कई लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर हो गए। क्या ऐसे सभी लोग बाहर से आए हैं?'' उन्होंने कहा कि अहसमति जताना भी खतरे से खाली नहीं है। उन्होंने कहा कि सहिष्णुता की बात करना और वास्तव में सहिष्णु होने में अंतर है। उन्होंने कहा कि बढ़ती समस्याओं के बीच हमें आत्ममंथन करना होगा कि हम विकास की बात कैसे करते हैं।

विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गरीटा ने बतौर सदस्य चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि ''जब उन्हें आजादी के समय त्रिपुरा पाकिस्तान को देने के प्रयास के बारे में पता चला तो वह स्तब्ध रह गए थे। लेकिन भगवान का लाख–लाख शुक्र है कि ऐसा नहीं हो पाया।'' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अपने ही नेताओं को भुला देती है लेकिन राजग सरकार कोई भेदभाव नहीं करती और असम के पहले मुख्यमंत्री गोपीनाथ बोरदोलोई को राजग सरकार ने ही भारत रत्न से सम्मानित किया। उन्होंने दावा किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में पूर्वोत्तर का विकास हुआ है अन्यथा बड़ा वोट बैंक नहीं होने की वजह से पिछली सरकारों ने पूर्वोत्तर पर ध्यान नहीं दिया।

मार्गरीटा ने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों की वजह से आज पूर्वोत्तर में उग्रवाद पर लगाम लगी है, लोग शांति से रह रहे हैं और पर्यटन को बढ़ावा मिला है।

राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा ने अभिभाषण को वास्तविकता से कोसों दूर बताते हुए कहा कि इसमें खूबसूरत तस्वीर दिखाने की कोशिश की गई है।

गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई)
(भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय)
रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ)
सी.वी. रमन नगर, पी.ओ. बेंगलूरु-560 093
(ईमेल : mmgbm.gtre@gov.in)

स्वदेशी एडवांस्ड हाई थ्रस्ट क्लास एयरो इंजन के निर्माण और असेंबली के लिए डेवलपमेंट कम प्रोडक्शन पार्टनर (डीसीपीपी)

ईओआई सं. जीटीआरई/एएचटीसीई/ईओआई/01/25-26
टेंडर आईडी सं. 2026 डीओडीआर......

निदेशक, गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, बेंगलूरु–560093, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, 'स्वदेशी एडवांस्ड हाई थ्रस्ट क्लास एयरो इंजन के निर्माण और असेंबली के लिए डेवलपमेंट कम प्रोडक्शन पार्टनर (डीसीपीपी)' हेतु एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) आमंत्रित करते हैं। नियम और शर्तें ईओआई के 'एनेक्सर–1' में बताई गई हैं।

जीटीआरई में स्वदेशी एडवांस्ड हाई थ्रस्ट क्लास एयरो इंजन का डिज़ाइन और डेवलपमेंट चल रहा है। इसमें सब–सिस्टम और एक्सेसरीज़, जैसे कंप्रेसर, कंबस्टर, टर्बाइन, आफ्टरबर्नर, गियर बॉक्स, ऑयल सिस्टम, फ्यूल सिस्टम आदि का निर्माण और असेंबली शामिल है।

जीटीआरई के साथ डिज़ाइन फेज़ में, और उसके बाद निर्माण और असेंबली में डीसीपीपी के तौर पर पार्टनरशिप करने के लिए, जानी–मानी भारतीय पब्लिक लिमिटेड / प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों से 'एक्सप्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट (ईओआई)' मांगा गया है, जो भारतीय फर्मों के तौर पर रजिस्टर्ड हों और जिनके पास ज़रूरी विशेषज्ञता हो।

इच्छुक आवेदक 20 फरवरी, 2026 को या उससे पहले director.gtre@gov.in पर ईमेल भेजकर, विशेष विवरण और नियम व शर्तों की डिटेल्स वाला अहस्तांतरणीय ईओआई दस्तावेज मांग सकते हैं, जिसकी सब्जेक्ट लाइन 'ईओआई भागीदारी – स्वदेशी एडवांस्ड हाई थ्रस्ट क्लास एयरो इंजन के निर्माण और असेंबली के लिए डेवलपमेंट कम प्रोडक्शन पार्टनर (डीसीपीपी)' होनी चाहिए। ईमेल में संगठन का नाम, एकल संपर्क बिंदु का विवरण तथा ईमेल पता शामिल होना चाहिए। आगे का समस्त पत्राचार केवल उसी एकल संपर्क बिंदु के साथ किया जाएगा, जिसका ईमेल पता और संपर्क विवरण प्रदान किया गया हो। ईमेल के प्रत्युत्तर में आवेदक के साथ गैर–प्रकटीकरण समझौते (एनडीए) का प्रारूप साझा किया जाएगा। एनडीए प्राप्त होने के बाद ही ईओआई दस्तावेज़ जारी किया जाएगा।

ईओआई जमा कराने की अंतिम तिथि: 26 मार्च, 2026, सुबह 10 बजे तक है।

प्रस्ताव खोलने की तिथि: 27 मार्च, 2026, सुबह 10 बजे तक है।

कृपया ध्यान दें : ईओआई स्पीड पोस्ट/कूरियर से भेजा जाएगा या जीटीआरई, सीवी रमन नगर गेट पर रखे टेंडर बॉक्स में जमा किया जाएगा। लिफाफे को सील किया जाना चाहिए और उस पर स्वदेशी एडवांस्ड हाई थ्रस्ट क्लास एयरो इंजन के निर्माण और असेंबली के लिए डेवलपमेंट कम प्रोडक्शन पार्टनर (डीसीपीपी) हेतु एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट लिखा होना चाहिए।

ईओआई सं . : जीटीआरई/एएचटीसीई/ईओआई/01/25-26

CBC 10301/11/0166/2526

निर्देशों के अनुरूप पिंक सिटी के संरक्षण-पुनरुद्धार के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : वी. श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पिंक सिटी जयपुर को यूनेस्को विश्व धरोहर शहर का दर्जा प्राप्त होना राज्य के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताते हुए मुख्य सचिव ने संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि संरक्षण एवं पुनरुद्धार से जुड़े समस्त कार्य यूनेस्को द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप किए जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यूनेस्को से जुड़े दायित्वों एवं मेंडेट की पूर्ति को लेकर पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी स्टेटस के तहत आवश्यक कार्यों की समीक्षा करते हुए 'होल ऑफ गवर्नमेंट अप्रोच' अपनाने पर जोर दिया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, समयबद्ध कार्यान्वयन तथा सभी एजेंसियों की साझा जिम्मेदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने पर्यटन विभाग, स्वायत्त शासन विभाग एवं नगरीय विकास विभाग की संयुक्त टीम को पिंक सिटी का निरीक्षण कर कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने वॉल्ड सिटी क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने, शहर के सौंदर्य को प्रभावित करने वाले बैनर, विज्ञापन एवं अस्थायी अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से हेरिटेज गेट्स एवं प्रमुख मार्गों पर नियमित निगरानी रखते हुए अवैध तत्वों को हटाया जाए। उन्होंने संबंधित जिला एवं जोन स्तर के अधिकारियों को विरासत क्षेत्र की गरिमा बनाए रखने हेतु नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए वॉल्ड सिटी जयपुर के लिए तैयार की जा रही विशेष क्षेत्र विरासत योजना (स्पेशल एरिया हेरिटेज प्लान) की प्रगति की समीक्षा की। इसमें बताया गया कि बेस मैप, सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल, आजीविका, पर्यटन, परिवहन एवं गतिशीलता, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण एवं परिदृश्य तथा विधायी एवं प्रबंधन ढांचे से संबंधित विभिन्न घटकों पर कार्य प्रगति पर है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन विभाग डॉ. देबाशीष पृष्टी, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन सहित पर्यटन, स्वायत्त शासन, नगरीय विकास, नगर निगम जयपुर व अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भरतपुर में बेघर परिवारों पर सवाल को लेकर विधानसभा में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । बुधवार को राजस्थान विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान भरतपुर में बेघर परिवारों से जुड़े एक सवाल पर मंत्रियों और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के विधायक सुभाष गर्ग ने भरतपुर में बेघर परिवारों की संख्या और प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम आवास योजना) के तहत योग्य परिवारों के बारे में पूछा। सवाल का जवाब देते हुए, शहरी विकास और आवास (यूडीएच) मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि अगर भूमिहीन परिवारों का विवरण चाहिए, तो जिला कलेक्टर से रिपोर्ट मंगवाकर सदन को दी जाएगी। जवाब से असंतुष्ट होकर, सुभाष गर्ग ने जोर दिया कि मंत्री पहले बेघर परिवारों की सही संख्या बताएं। जैसे ही मंत्री ने पीएम आवास योजना की पात्रता मानदंडों के बारे में बताना शुरू किया, गर्ग ने आपत्ति जताते हुए पूछा कि क्या बेघर नीति-2022 में बेघर परिवारों का सर्वे कराने का कोई प्रावधान शामिल है। गर्ग ने कहा, मैं हां या ना में सीधा जवाब चाहता हूं।

यह मुद्दा जल्द ही संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और विपक्ष के नेता टीकाराम जूली के बीच टकराव में बदल गया। यूडीएच मंत्री के जवाब के दौरान खड़े हुए दो मंत्रियों पर तंज कसते हुए, जूली ने टिप्पणी की, यहां वकीलों की कोई जरूरत नहीं है।

जवाब में, पटेल ने कहा कि जूली को भाषण देने के बजाय सवाल पूछने चाहिए।जूली ने पलटवार करते हुए कहा कि वह सिर्फ तथ्य बता रहे थे और उन पर बेवजह भाषण देने का आरोप लगाया जा रहा था। बाद में जूली ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री बहुत जल्दबाजी में थे और उन्होंने सवाल को गलत समझा। उन्होंने कहा, 'मुद्दा सीधा है कि जिनके पास घर नहीं हैं, उन्हें घर कब मिलेंगे?' उन्होंने कहा कि मंत्री का जवाब गलत था, इसीलिए उन्होंने 2022 में शुरू की गई बेघर नीति के मानदंडों के बारे में सवाल उठाए थे। जैसे ही बहस तेज हुई, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि यह कोई गुगली नहीं है कि आपको सीधे हिट किया जाएगा और यूडीएच मंत्री बेघर होने और पीएम आवास योजना से संबंधित दोनों हिस्सों का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार थे।

जब विपक्ष ने उनके हस्तक्षेप पर आपत्ति जताई, तो स्पीकर ने स्पष्ट किया कि राठौड़ को बोलने की अनुमति दी गई थी। सदन में मंत्रियों और विपक्षी सदस्यों के बीच इस मुद्दे पर तीखी नोकझोंक और हंगामा हुआ, जिससे स्पीकर को व्यवस्था बहाल करने के लिए बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ा। इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा को भी इस सवाल का स्पष्ट जवाब न देने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा कि क्या मौजूदा सड़कों को राजस्व रिकॉर्ड में सार्वजनिक सड़कों के रूप में दर्ज किया जाएगा। स्पीकर ने मंत्री से कहा कि नियमों और सर्कुलर का हवाला देने के बजाय, वे सीधा हां या ना में जवाब दें।

राज्य वृक्ष खेजड़ी के लिए 458 पर्यावरण प्रेमियों ने अन्न-जल त्यागा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पर्यावरण बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले बीकानेर में खेजड़ी बचाओ आंदोलन का महापड़ाव मंगलवार को दूसरे दिन जारी रहा।

बिश्नोई धर्मशाला के सामने बने पंडाल में सुबह 458 पर्यावरण प्रेमियों ने अन्न-जल का त्याग कर अनशन शुरू कर दिया। लोग आंखों पर पट्टी बांधकर अनशन-धरने पर बैठे। आंदोलनकारी राज्य सरकार से चालू विधानसभा सत्र में ही पेड़ संरक्षण बिल लाने, राज्य वृक्ष खेजड़ी काटने पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने की मांग कर रहे हैं। मुकाम पीठाधीश्वर रामानंद आचार्य व सच्चिदानंद आचार्य की अगुवाई में 50 संतों ने पड़ाव स्थल पर मंच संभाल रखा है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सोशल मीडिया पर खेजड़ी वृक्ष की पूजा करते हुए एक फोटो साझा की। राजे ने अपने पोस्ट में लिखा, मैं भी खेजड़ी की पूजा करती हूं। राजनीति से ऊपर उठकर हमें इसके संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। इसे बचाना चाहिए। मैं खेजड़ी और ओरण (गोचर भूमि) को बचाने की मुहिम में सबके साथ हूं। पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा चाहें तो आज ही विधानसभा में घोषणा कर सकते हैं कि ये कानून बनाया जाएगा। दो दिन के अंदर कानून बनना चाहिए।

इस धरने में बिश्नोई महासभा के पदाधिकारी, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, दिव्यांग, वन्यजीवों के लिए शहीद हुए शौर्य चक्र प्राप्त निहालचंद धारणिया के 92 वर्षीय पिता हनुमाना राम भी शामिल रहे। साथ ही संघर्ष समिति के संयोजक रामगोपाल बिश्नोई, पर्यावरण से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधि, वरिष्ठ कांग्रेसी भंवरसिंह भाटी व महेन्द्र गहलोत सहित कई नेता समर्थन में धरने पर बैठे हैं।

दिया कुमारी ने दी बधाई, प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना की राष्ट्रीय रैंकिंग में राजस्थान फिर नंबर-1

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने आईसीडीएस राजस्थान को एक बार फिर से प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में राष्ट्रीय स्तर पर जारी होने वाली मासिक रैंकिंग, (जनवरी 2026) में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आईसीडीएस की ओर से सितम्बर 2025 में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में मासिक रैंकिंग में प्रथम स्थान करने के पश्चात पुनः जनवरी 2026 में भी प्रथम स्थान प्राप्त करना गर्व की बात है। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारियों द्वारा अच्छा कार्य किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा निरंतर कीर्तिमान रचे जा रहे हैं, जिसमें उक्त उपलब्धियों के साथ ही पिछले वर्ष 2025 में विभाग को पोषण माह में दूसरा तथा पोषण पखवाड़ा में प्रथम स्थान मिलना भी उल्लेखनीय उपलब्धि है। आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने बताया कि राजस्थान के प्रथम स्थान के साथ ही उक्त मासिक रैंकिंग में कर्नाटक दूसरे स्थान पर तथा असम तीसरे स्थान पर है। वहीं महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश क्रमशः चौथे और पाचंवे स्थान पर हैं।

उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने आईसीडीएस राजस्थान को एक बार फिर से प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में राष्ट्रीय स्तर पर जारी होने वाली मासिक रैंकिंग, (जनवरी 2026) में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी है।उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आईसीडीएस की ओर से सितम्बर 2025 में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में मासिक रैंकिंग में प्रथम स्थान करने के पश्चात पुनः जनवरी 2026 में भी प्रथम स्थान प्राप्त करना गर्व की बात है। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारियों द्वारा अच्छा कार्य किया गया है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा निरंतर कीर्तिमान रचे जा रहे हैं, जिसमें उक्त उपलब्धियों के साथ ही पिछले वर्ष 2025 में विभाग को पोषण माह में दूसरा तथा पोषण पखवाड़ा में प्रथम स्थान मिलना भी उल्लेखनीय उपलब्धि है। आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने बताया कि राजस्थान के प्रथम स्थान के साथ ही उक्त मासिक रैंकिंग में कर्नाटक दूसरे स्थान पर तथा असम तीसरे स्थान पर है। वहीं महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश क्रमशः चौथे और पाचंवे स्थान पर हैं।

खेत में बनी हौदी में डूबने से तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान में हनुमानगढ़ के एक खेत में बनी हौदी में डूबने से एक शख्स और उसके दो बेटों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हादसा संगरिया थाना क्षेत्र के रासूवाला गांव में मंगलवार शाम को हुआ। संगरिया थाना प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान रासूवाला निवासी गुरदीप सिंह (40), लखविंदर सिंह (22) और राजविंदर सिंह (16) के रूप में हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि तीनों खेत में फसलों पर स्प्रे कर रहे थे। उन्होंने बताया कि छोटा बेटा राजविंदर स्प्रे के लिए पानी लेने पड़ोसी जसवीर सिंह के खेत में बनी हौदी पर गया और वहां पानी भरने के दौरान संतुलन बिगड़ने से वह हौदी में गिर गया।

उन्होंने बताया कि उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर बड़ा बेटा लखविंदर पहुंचा और बेल्ट से उसे निकालने की कोशिश की, लेकिन वह भी हौदी में गिर गया और दोनों को बचाने के लिए गुरदीप ने भी हौदी में छलांग लगा दी, लेकिन तीनों की हौदी में डूबने से मौत हो गई।

कोटपूतली-बहरोड़ में भूमि की उपलब्धता एवं बजट के आधार पर स्टेडियम निर्माण करवाया जाएगा : राज्यवर्धन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। युवा मामले और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि नवगठित जिले कोटपूतली-बहरोड़ में 1 फरवरी, 2025 से जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। यह केन्द्र वर्तमान में महात्मा गांधी विद्यालय, बहरोड़ परिसर में संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम निर्माण के लिए नियमानुसार भूमि की उपलब्धता तथा बजट के आधार पर स्टेडियम निर्माण करवाया जाएगा। युवा मामले और खेल मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य डॉ. जसवंत सिंह द्वारा इस विषय में पूछे गए पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने बताया कि जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र के लिए भूमि आवंटन के संबंध में जिला कलेक्टर को पत्र भेजा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला, तहसील एवं पंचायत स्तर पर खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए निर्धारित मापदंडों के अनुसार खेल स्टेडियम निर्माण में उन स्थानों को प्राथमिकता दी जाती है, जहां विधायक एवं सांसद कोटे द्वारा निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने जानकारी दी कि एल.बी.एस. राजकीय महाविद्यालय, कोटपूतली में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से केंद्र सरकार के माध्यम से इंडोर हॉल तथा बास्केटबॉल, वॉलीबॉल,फुटबॉल एवं एथलेटिक्स ट्रैक का निर्माण किया गया है। इस इंडोर हॉल में वर्तमान में कुश्ती एवं बैडमिंटन खेलों का संचालन किया जा रहा है, जहां कुश्ती के लिए 3 एवं एथलेटिक्स के लिए 1 प्रशिक्षक की व्यवस्था है।

इससे पूर्व विधायक डॉ. जसवंत सिंह के मूल प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि जिले में खेल गतिविधियों के सुचारु संचालन के लिए जिला मुख्यालय पर जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जाते हैं। जिला स्तर पर स्टेडियम निर्माण के लिए समन्वित स्टेडियम (आधारभूत खेल संरचनाएं) विकास कार्ययोजना -2015 के अंतर्गत जिला मुख्यालय पर न्यूनतम मूलभूत आवश्यकताओं के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर के तय मापदंड हैं। मापदण्डों के अनुसार 8.68 हेक्टेयर अनिवार्य भूमि एवं 400 मीटर एथलेटिक ट्रैक, फुटबॉल, हॉकी, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, टेनिस, खो-खो, कबड्डी मैदान, इंडोर स्टेडियम (बैडमिंटन, टेबल टेनिस एवं कुश्ती इत्यादि), कार्यालय भवन, दर्शक दीर्घा, जिम्नेजियम, सिंथेटिक कवर रूफ गैलरी (10 हजार दर्शकों की क्षमता) एवं लाइट व्यवस्था जैसी खेल सुविधाओं की नियत प्राथमिकता के आधार पर जिला स्तर पर स्टेडियम निर्माण करवाया जा सकता है।

राम कथा आयोजन के लिए पांच शिक्षकों की ड्यूटी लगाने का आदेश वापस

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा विभाग ने राम कथा आयोजन के संबंध में पांच शिक्षकों की ड्यूटी लगाने का आदेश, विवाद उत्पन्न होने के बाद कुछ ही घंटों के भीतर वापस ले लिया। बूंदी जिले के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, नैनवां ने दो फरवरी को आदेश जारी किया था जिसमें नैनवां खंड के सरकारी स्कूलों के पांच शिक्षकों को बांसी स्थित अम्बिका माता मंदिर में नवदिवसीय महायज्ञ, धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम और राम कथा आयोजन की व्यवस्था में तैनात करने को कहा गया था। आदेश के अनुसार, इन शिक्षकों को दो फरवरी से सात फरवरी तक इस कार्य में लगाया जाना था। हालांकि, इस आदेश पर विवाद खड़ा होने के बाद इसे उसी दिन तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया गया। इससे संबंधित शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति रद्द कर दी गई और उन्हें उनके मूल पदों पर लौटने का निर्देश दिया गया।नैनवां (बूंदी) के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि जब यह महसूस हुआ कि आदेश उचित नहीं है, तो इसे वापस ले लिया गया। उन्होंने बुधवार को कहा, यह माना गया कि आदेश गलत है, इसलिए इसे उसी दिन वापस ले लिया गया। इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक विवाद भी पैदा हो गया। कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को विधानसभा में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर निशाना साधते हुए कहा कि धार्मिक कार्यक्रमों के लिए शिक्षकों को लगाना अनुचित है ।

ग्राम उत्थान शिविर के द्वितीय चरण के अंतर्गत 5 से 9 तक होगा शिविरों का आयोजन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीणों तक सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम उत्थान शिविरों की अभिनव पहल की गई है। 23 जनवरी (बंसत पंचमी) से प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर शुरू हुए इन शिविरों में आमजन की 77 लाख से अधिक समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

इन शिविरों से किसान, पशुपालक, महिला एवं श्रमिक सहित विभिन्न वर्गों को एक ही छत के नीचे योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इससे प्रशासन और आमजन के बीच की दूरी कम हुई है और आत्मनिर्भर एवं सशक्त ग्रामीण राजस्थान को गति मिली है।

ग्राम उत्थान शिविरों के तहत अब तक पूरे प्रदेश में 1 हजार 512 शिविर लगाकर ग्रामीणों को राहत दी गई है। अब तक इन शिविरों में 13 लाख 91 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। जिसमें 9 लाख 17 हजार पुरुष एवं 4 लाख 12 हजार महिलाएं शामिल हैं। प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर आयोजित इन शिविरों में करीब 13 विभागों की विभिन्न सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे ग्रामीणों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

इन शिविरों में किसानों, पशुपालकों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। किसानों को 98 हजार 299 से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड और 55 हजार 886 स्वामित्व कार्ड का वितरण किया गया है। पशुपालकों के लिए भी इन शिविरों में अनेक कार्य करवाए जा रहे हैं। इन शिविरों में मंगला पशु योजना के तहत 92 हजार पशुपालकों का पंजीकरण किया गया।

आज से जयपुर में 13वां इंडिया स्टोनमार्ट 2026 : भजनलाल करेंगे उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के उद्घाटन समारोह का एक प्रमुख और विशिष्ट आकर्षण अयोध्या में स्थापित भगवान श्रीराम (रामलला) की दिव्य मूर्ति के शिल्पकार, देश के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज की गरिमामयी उपस्थिति होगी।

जयपुर। भारत की प्राकृतिक पत्थर (छर्ठीरश्र डींपश) उद्योग को वैश्विक मानचित्र पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित करने के उद्देश्य से इंडिया स्टोनमार्ट 2026 का आयोजन आगामी 5 से 8 फरवरी 2026 तक जयपुर के जयपुर एग्ज़ीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर , सीतापुरा में किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल भारत, बल्कि एशिया के सबसे बड़े और सबसे प्रभावशाली स्टोन इंडस्ट्री प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। चार दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं उद्योग संवाद का भव्य उद्घाटन गुरुवार, 5 फरवरी 2026 को मुग्धा कन्वेंशन हॉल में प्रातः 10 बजे होगा। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे। उद्घाटन समारोह में दिग्गजों की गरिमामयी उपस्थिति

उद्घाटन अवसर पर माननीय उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, मधुसूदन दादू, राष्ट्रीय अध्यक्ष लघु उद्योग भारती, लघु उद्योग भारती के संगठन महामंत्री प्रकाश चंद्र , आर.के. मार्बल के अध्यक्ष अशोक पाटनी, प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज, इंडिया स्टोनमार्ट 2026 आयोजन समिति के संयोजक नटवरलाल अजमेरा, उपाध्यक्ष दीपक अजमेरा सीडॉस (उऊजड) और ठखखउज के पदाधिकारी, सहित स्टोन इंडस्ट्री से जुड़े देश-विदेश के कई वरिष्ठ उद्योगपति, निर्यातक, नीति निर्माता और विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे।

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के उद्घाटन समारोह का एक प्रमुख और विशिष्ट आकर्षण अयोध्या में स्थापित भगवान श्रीराम (रामलला) की दिव्य मूर्ति के शिल्पकार, देश के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज की गरिमामयी उपस्थिति होगी। योगीराज ने अपनी असाधारण शिल्प प्रतिभा और गहन साधना के माध्यम से पत्थर में प्राण फूंकने वाली कला को नई ऊँचाई दी है। अयोध्या में राम मंदिर में स्थापित रामलला की मूर्ति का निर्माण कर उन्होंने भारतीय मूर्तिकला परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाई है।

अरुण योगीराज की सहभागिता इंडिया स्टोनमार्ट 2026 को न केवल एक औद्योगिक प्रदर्शनी को, बल्कि कला, संस्कृति, आस्था और उद्योग के संगम के रूप में स्थापित करेगी। उनकी उपस्थिति यह रेखांकित करेगी कि प्राकृतिक पत्थर केवल खनिज संसाधन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, विरासत और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत माध्यम भी है। मीडिया के लिए यह अवसर विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा, जहाँ राम मंदिर से जुड़े शिल्पकार की मौजूदगी के माध्यम से स्टोन इंडस्ट्री की सांस्कृतिक गहराई और रचनात्मक शक्ति को उजागर करने का सशक्त अवसर मिलेगा। इंडिया स्टोनमार्ट केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि स्टोन इंडस्ट्री का संपूर्ण इकोसिस्टम है। इसमें खनन से लेकर प्रोसेसिंग, डिजाइन, वैल्यू एडिशन, मशीनरी, टेक्नोलॉजी, एक्सपोर्ट और इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पूरी श्रृंखला एक ही मंच पर दिखाई देती है। भारत विश्व के प्रमुख प्राकृतिक पत्थर उत्पादक देशों में शामिल है और राजस्थान इस उद्योग का केंद्र माना जाता है। इंडिया स्टोनमार्ट 2026 इसी ताकत को वैश्विक बाजारों से जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम बनेगा। इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के अंतर्गत ग्रामीण गैर कृषि विकास अभिकरण (ठणऊ-) द्वारा विशेष रूप से शिल्पग्राम का आयोजन किया जा रहा है, जो इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन को सामाजिक, सांस्कृतिक और ग्रामीण विकास से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है। शिल्पग्राम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए पारंपरिक शिल्पकार, कारीगर और हस्तशिल्प उद्यमी अपनी कला, उत्पादों और पारंपरिक निर्माण तकनीकों का जीवंत प्रदर्शन करेंगे।

वित्त मंत्री सीतारमण ने केंद्रीय बजट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचनाओं को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय बजट को लेकर की गई आलोचनाओं को ''जानकारी का अभाव'' बताते हुए खारिज कर दिया और उन्हें चुनौती दी कि वह उनके सामने खड़े होकर बजट में खामियों के अपने दावों को दस्तावेजों के आधार पर साबित करें। गांधी के इस आरोप का जवाब देते हुए कि बजट में बेरोजगारी, ग्रामीण संकट और विनिर्माण क्षेत्र में मंदी को नजरअंदाज किया गया है, सीतारमण ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि इन आरोपों का ''बिल्कुल कोई आधार नहीं'' है और उन्होंने कांग्रेस नेता पर बिना किसी ठोस आधार के व्यापक दावे करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें चुनौती देती हूं कि वह बजट में ऐसा कोई पैरा दिखाएं जो इन आरोपों का समर्थन करता हो।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं के कौशल विकास, उद्यमिता और एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया है। सीतारमण ने बजट का विवरण भी दिया, जिसमें कृषि और ग्रामीण रोजगार के लिए पारंपरिक समर्थन के साथ-साथ उभरती श्रम बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए कौशल विकास और युवा-केंद्रित प्रशिक्षण ढांचे को नये सिरे से बढ़ावा देने का प्रावधान है। गांधी द्वारा की गई आलोचना के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि यदि वह इसका जवाब देंगी तो वह एक ऐसे आरोप को विश्वसनीयता प्रदान करेंगी जिसका कोई आधार ही नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं चाहूंगी कि वह बजट में मौजूद उन सभी कमियों को स्पष्ट रूप से बताएं, जिन्हें वह बजट के संबंध में पेश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस संबंध में उन्हें चुनौती देती हूं।'' सीतारमण ने कहा कि एक अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए उनके बजट में युवाओं को प्रशिक्षण देने, उन्हें उद्यमी बनने के अवसर प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रावधान किये गए हैं कि इन सभी चीजों में एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) को नजरअंदाज न किया जाये। अमेरिका के टैरिफ (शुल्क) में कटौती की घोषणा के बाद गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भारतीय किसानों को ''बेचने'' का आरोप लगाये जाने के संबंध में पूछे जाने पर, सीतारमण ने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि वाणिज्य मंत्री इस मुद्दे पर संसद में बयान देंगे।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पूरा विवरण सार्वजनिक करे केंद्र सरकार : कांग्रेस

इंदौर (मप्र)/भाषा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के अमल से खासकर भारतीय किसानों के हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका जताते हुए कांग्रेस ने बुधवार को मांग की कि केंद्र सरकार को इस करार का पूरा विवरण सार्वजनिक करना चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता और पार्टी के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने इंदौर प्रेस क्लब में संवाददाताओं से कहा,''अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सरकार के प्रतिनिधियों की ताजा घोषणाओं से तो यही लगता है कि व्यापार समझौते के तहत हम 'मेक इन अमेरिका' चीजें ज्यादा खरीदेंगे। यह कितने दु:ख की बात है कि हमारी चुनी हुई सरकार इस करार के बारे में एक भी स्पष्ट जानकारी नहीं दे रही है।'' उन्होंने मांग की कि नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पूरा विवरण सार्वजनिक करना चाहिए।

श्रीनेत ने आशंका जताई कि इस समझौते के बाद अमेरिका के कृषि और दुग्ध उत्पाद धड़ल्ले से भारत आ सकते हैं जिससे भारतीय किसानों और उद्योगों को जाहिर तौर पर नुकसान होगा।

बहरहाल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए लोकसभा में कहा है कि भारत इस समझौते में घरेलू कृषि और दुग्ध क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। श्रीनेत ने संसद के हालिया घटनाक्रम को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

बिहार में बनेगा रक्षा गलियारा : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को कहा कि राज्य में रक्षा गलियारे का निर्माण कराया जाएगा जिससे न केवल राज्य की औद्योगिक क्षमता सुदृढ़ होगी, बल्कि युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। रक्षा मंत्रालय की ओर से अध्ययन दौरे पर बिहार आए राष्ट्रीय सुरक्षा अकादमी (एनडीए) के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों से उपमुख्यमंत्री की बुधवार को मुलाकात हुई।

इस दौरान चौधरी और अधिकारियों के बीच बिहार में प्रस्तावित रक्षा गलियारे की योजनाओं, संभावनाओं और विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सार्थक और विस्तृत चर्चा हुई। चौधरी ने कहा कि यह बैठक बिहार के औद्योगिक और सामरिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पिछले पांच वर्षों में राज्य में 50 लाख से अधिक लोगों को सरकारी नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। चौधरी ने कहा, सरकार की प्राथमिकता है कि बिहार के लोगों को रोजगार के लिए बाहर न जाना पड़े और उन्हें अपने ही राज्य में बेहतर अवसर मिलें। इसी उद्देश्य से उद्योगों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि गया जी जिले के डोभी क्षेत्र में एक विशाल औद्योगिक गलियारा विकसित किया जा रहा है, जो आने वाले समय में राज्य के विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा। चौधरी ने कहा कि इसके साथ ही राज्य में सेमीकंडक्टर विनिर्माण पार्क की स्थापना तथा भागलपुर सहित अन्य स्थानों पर नए औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है। उनके मुताबिक, रक्षा गलियारे के निर्माण से बिहार रक्षा उत्पादन और तकनीकी क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार बिहार को उद्योग और रोजगार का केंद्र बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय की अध्ययन टीम के साथ हुई यह बैठक उसी दिशा में एक ठोस पहल है।

नीतीश कुमार ने पीएमसीएच पुनर्विकास कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को अधिकारियों को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के पुनर्विकास कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह निर्देश निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण करने के दौरान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए पूरा किया जाना चाहिए। कुमार ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं का आधुनिकीकरण आवश्यक है और डॉक्टरों, छात्रों, शिक्षकों तथा नर्सिंग स्टाफ के लिए पर्याप्त आवासीय व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि निर्माण कार्य के दौरान मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें समय पर उपचार मिलता रहे। उन्होंने नव-निर्मित आपातकालीन भवन का निरीक्षण किया और वहां प्रथम तल पर स्थित रेडियोलॉजी विभाग की सुविधाओं की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने शिशु रोग विभाग का निरीक्षण किया तथा 'नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट' (एनआईसीयू) व नर्स स्टेशन समेत अन्य कक्षों का जायजा लिया।

अवैध सम्बन्ध में बाधा बनने पर बहू ने कराई ससुर की हत्या

मऊ (उप्र)/भाषा। मऊ जिले के सराय लखंसी क्षेत्र में गत एक फरवरी को एक व्यक्ति की गला रेत कर हत्या करने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने उसकी बहू समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, बहू ने अवैध सम्बन्धों में बाधा बनने पर अपने प्रेमी से कथित रूप से ससुर की हत्या करवायी थी और प्रेमी ने गला काटने का वीडियो बनाकर अपनी प्रेमिका को भेजा था। अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने बुधवार को बताया कि सराय लखंसी थाना क्षेत्र के चोरपाखुर्द गांव में गत एक फरवरी को अमरूद के बगीचे से सुबचन उर्फ गेडी राजभर (54) का शव मिला था और उनकी गला व दाहिने हाथ की कलाई धारदार हथियार से काटकर हत्या की गई थी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। मृतक की पत्नी रमावती देवी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस घटना का पर्दाफाश करते हुए राजभर की बहू पिंकी, उसके प्रेमी राम मिलन व दो अन्य सुधीर और छड्डू को गिरफ्तार किया है।

फिटनेस बेहतर हो रही है और मैं जल्द ही वापसी करूंगा : ऋषभ पंत

मुंबई/भाषा। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बुधवार को यहां कहा कि वह चोट से अच्छी तरह उबर रहे हैं और उन्हें जल्द से जल्द प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौटने की उम्मीद है। पंत 'वर्ल्ड पिकलबॉल लीग' के कार्यक्रम में मुंबई पिकल पावर के सह-मालिक के तौर पर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि वह बेंगलुरु में बीसीसीआई 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''दिन प्रतिदिन मेरी फिटनेस बेहतर हो रही है। मैं 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में कड़ी मेहनत कर रहा हूं और मुझे लगता है कि मैं जल्द ही (मैदान पर) वापसी करूंगा। '' अठाईस वर्षीय खिलाड़ी ने चोट के बाद लंबे समय तक उबरने की प्रक्रिया और 'रिहैबिलिटेशन' के दौरान खेल से जुड़े रहने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट के प्रति उनके जुनून और लोगों के समर्थन ने उन्हें उबरने की प्रक्रिया के चरणों में मदद की।

एसआईआर की कवायद में बंगाल को निशाना बनाया जा रहा : ममता ने उच्चतम न्यायालय में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ बुधवार को उच्चतम न्यायालय में स्वयं अपनी दलीलों को रखा और निर्वाचन आयोग पर राज्य को कथित तौर पर बेवजह निशाना बनाने और वहां के नागरिकों के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाया।

बनर्जी ने न्यायालय से ''लोकतंत्र को बचाने'' और निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के निष्पक्ष एसआईआर को सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि जारी एसआईआर प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा कई जीवित व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने एक बार निर्वाचन आयोग को ''व्हाट्सएप आयोग'' कहा था, जो स्पष्ट रूप से निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन अधिकारियों को व्हाट्सएप पर कथित रूप से भेजे जा रहे निर्देशों की ओर इशारा था।

बनर्जी का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और श्याम दीवान ने किया। बनर्जी ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ से व्यक्तिगत रूप से अपनी दलीलें पेश करने की अनुमति मांगी। उन्होंने कहा कि उनके राज्य को कहीं भी न्याय नहीं मिल रहा है और एसआईआर को लेकर निर्वाचन आयोग को छह पत्र लिखे जाने के बावजूद उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ से कहा, ''उनकी एसआईआर प्रक्रिया केवल नाम हटाने के लिए है, शामिल करने के लिए नहीं।'' बनर्जी ने आरोप लगाया, ''पश्चिम बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है'' और पूछा कि असम में यही मापदंड क्यों नहीं अपनाया जा रहा है।

सुनवाई की शुरुआत में दीवान ने दलीलें पेश कीं और बाद में ममता उनके बगल में खड़ी नजर आईं। इसके बाद, बनर्जी ने पीठ से अदालत से अपनी दलीलों को रखने की अनुमति देने का अनुरोध किया। उन्होंने पूछा, ''क्या आप मुझे सिर्फ पांच मिनट का समय दे सकते हैं।''

प्रधान न्यायाधीश ने जवाब में कहा कि अदालत उन्हें अपनी दलीलें पेश करने के लिए पांच मिनट नहीं, बल्कि 15 मिनट का समय देगी। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों को उजागर किया और कहा कि लोग इस बात से खुश हैं कि उच्चतम न्यायालय ने इस प्रक्रिया में आधार को एक दस्तावेज के रूप में शामिल करने का निर्देश दिया है।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बावजूद, निर्वाचन आयोग आधार कार्ड स्वीकार नहीं कर रहा है और मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए मतदाताओं से अन्य दस्तावेज मांग रहा है। उन्होंने पूछा, ''अन्य राज्यों में निवास प्रमाण पत्र, परिवार पंजीकरण कार्ड आदि जैसे दस्तावेज मान्य हैं... वे चुनाव के समय केवल बंगाल को ही निशाना बना रहे हैं। इतनी जल्दी क्या थी?''

उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया, जिसमें आमतौर पर दो साल लगते हैं, राज्य में त्योहारों और फसल कटाई के मौसम के दौरान भी तीन महीने की छोटी अवधि में पूरी की जा रही है।

गौरव गोगोई ने हिमंत विश्व शर्मा के परिवार पर 12,000 बीघा जमीन कब्जाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने बुधवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके परिवार ने राज्यभर में लगभग 12,000 बीघा (3,960 एकड़ से अधिक) जमीन पर कब्जा किया हुआ है।

गोगोई ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि शर्मा ने भूमि घोटाले को छिपाने के लिए उनके (गोगोई के) कथित पाकिस्तानी संबंधों का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने जांच की है और इससे कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मुख्यमंत्री और उनके परिवार ने असम भर में लगभग 12,000 बीघा जमीन पर कब्जा किया हुआ है। यह आंकड़ा अंतिम नहीं है, क्योंकि जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में यह बढ़ सकता है। शर्मा द्वारा हाल ही में उनके (गोगोई के) कथित पाकिस्तानी संबंधों का जिक्र करने पर गोगोई ने कहा, उन्होंने यह पिछले साल 10 सितंबर को क्यों नहीं किया? वह इन पांच महीनों से सो रहे थे और अचानक उन्हें मेरे पाकिस्तानी संबंधों की याद आ गई। मुख्यमंत्री ने पहले घोषणा की थी कि वह 10 सितंबर 2025 तक गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों से जुड़े सभी सबूत सार्वजनिक करेंगे।

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने कहा, उन्हें पता है कि हम उनके और उनके परिवार के भ्रष्टाचार व भूमि हड़पने के मामलों की फाइल तैयार कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने यह मुद्दा फिर से उठाया। मैंने पहले कहा था कि यह 'फ्लॉप शो' होगा; मैं फिर से कह रहा हूं कि यह 'फ्लॉप शो' ही होगा। गोगोई के आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बिहार में साइबर ठगी के आरोप में 22 लोग गिरफ्तार

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना में साइबर ठगी के एक मामले में 15 महिलाओं सहित कुल 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ये गिरफ्तारियां पटना जिले के सगुना मोड़ और रुपसपुर इलाकों में स्थित तीन स्थानों लखन कुटीर, वेद नगर और सौभाग्य शर्मा पथ पर की गई छापेमारी के दौरान हुईं।

साइबर अपराध शाखा (पटना) की पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) संगीता ने संवाददाताओं को बताया कि आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) से सूचना मिली थी कि सगुना मोड़ और रुपसपुर क्षेत्रों में अवैध कॉल सेंटर संचालित किए जा रहे हैं, जिनके जरिए लोगों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में तीन अलग-अलग स्थानों से 15 महिलाओं और सात पुरुषों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि छापेमारी के दौरान 19 लैपटॉप, एक कंप्यूटर, 53 मोबाइल फोन, 12 एटीएम कार्ड और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि गिरोह का मुख्य निशाना साइबर कैफे संचालक होते थे।

सच्चाई सामने आने से डर रही है सरकार, इसलिए राहुल को बोलने नहीं दे रही : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को दावा किया कि सरकार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने नहीं दे रही है क्योंकि वह इस बात को लेकर डरी हुई है कि चीन के साथ सैन्य तनाव के समय की उसकी सच्चाई सामने आ जाएगी। राहुल गांधी ने सोमवार और मंगलवार को लोकसभा में, पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण पर आधारित लेख का हवाला देते हुए चीन से संबंधित मुद्दा उठाने का प्रयास किया था, लेकिन आसन से इसकी अनुमति नहीं मिली।

हालांकि, उन्होंने मंगलवार को इस लेख को सत्यापित किया और सदन के पटल पर रखा। इस विषय और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर सदन में गतिरोध बना हुआ है। इस बीच, बुधवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू के अलावा एक पूर्व नौकरशाह और एक विधिवेत्ता की किताबों का जिक्र करते हुए प्रथम प्रधानमंत्री और कांग्रेस के अन्य नेताओं पर निशाना साधा तथा उन पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने का आरोप लगाया। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''जब मोदी सरकार सदन को बाधित करना चाहती है, तो निशिकांत दुबे को बोलने के लिए खड़ा कर देती है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौता विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते से भारत के विकास को और तेजी मिलेगी तथा विकसित भारत का संकल्प पूरा करने में यह मील का पत्थर साबित होगा ।

यहां मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका दुनिया की बड़ी आर्थिक महाशक्तियां हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच समझौते से हमारे लिए बहुत सारे अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा, (भारत पर लगने

वाले 50 प्रतिशत टैरिफ को) 18 प्रतिशत पर लाया गया है, इससे निश्चित रूप से भारत में बनने वाले हमारे बहुत सारे उत्पादों को एक बड़ा बाजार मिलेगा। समझौता होने से भारत के विकास की गति और तेजी होगी और भारत सभी क्षेत्रों में तेजी से तरक्की करने वाला देश बनेगा। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री देश को दुनिया में और बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने तथा विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं और यह समझौता उसमें एक मील का पत्थर साबित होगा ।

तुर्की एयरलाइंस का विमान आपात स्थिति में कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरा

कोलकाता/भाषा। तुर्की एयरलाइंस की एक उड़ान के इंजन में खराबी आने के बाद विमान ने कोलकाता हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, पायलट ने विमान के दाहिने इंजन में आग लगने की सूचना दी थी। यह उड़ान काठमांडू से तुर्किये के इस्तांबुल जा रही थी। पायलट ने विमान के दाहिने इंजन में आग लगने के कारण संकट की स्थिति के बारे में सूचित करने के लिए रेडियो संदेश जारी किया और अपराह्न 1:38 बजे कोलकाता की ओर जाने देने का अनुरोध किया।'' विमान ने आपातकालीन स्थिति में नेताजी सुभाषचंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग की और इंजन में लगी आग पर अपराह्न 1.51 बजे तक काबू पा लिया गया।

गंभीर का दबदबा और सूर्यकुमार की आजादी बनाती है भारत के लिए शानदार मिश्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राहुल द्रविड़ के भारतीय टीम के मुख्य कोच के तौर पर अपने शानदार और बेहद सफल कार्यकाल को खत्म करने के तुरंत बाद रोहित शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट लिखा था जिसके एक वाक्य ने कोच-कप्तान के रिश्ते को पूरी तरह से बयां कर दिया।

रोहित ने लिखा, ''मेरी पत्नी (रितिका सजदेह) आपको मेरी 'वर्क वाइफ' कहती है और मैं खुशकिस्मत हूं कि मैं भी आपको ऐसा कह पाता हूं।'' जो लोग रोहित को जानते हैं वे इस बात की पुष्टि करेंगे कि वह कभी भी बिना सोचे-समझे बात नहीं करते और उन्होंने हर शब्द सोच-समझकर कहा था जब उन्होंने कप्तान-कोच के रिश्ते की तुलना शादी से की, जहां दो लोगों की सोच एक जैसी होनी चाहिए और उन्हें एक ही धुन पर चलना चाहिए। भारत 72 घंटे से भी कम समय में टी20 विश्व कप में अपना खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत करेगा तो सूर्यकुमार यादव और गौतम गंभीर के काम के रिश्ते पर नजर डालना बनता है जो कम से कम नतीजों के हिसाब से तो शानदार

रहा है -- 39 मैच में 31 जीत और जीत का प्रतिशत 79.48 ।

भारतीय क्रिकेट में अधिकतर सफल कप्तानों के लिए कोच हमेशा दूसरे नंबर पर रहे हैं। खेल की गहरी समझ रखने वाले पूर्व कोच रवि शास्त्री हमेशा इस बात पर जोर देते थे कि यह विराट कोहली की टीम है और कप्तान ही इसका जनरल है। जॉन राइट-सौरव गांगुली, गैरी कर्स्टन-महेंद्र सिंह धोनी और द्रविड़-रोहित के मामले में भी ऐसा ही था, जहां कप्तान ही टीम का असली 'बॉस' था।

टी20 प्रारूप में सबसे तेजी से बदलाव हुए हैं और इसी वजह से फुटबॉल-मैनेजर शैली की कोचिंग की जरूरत पड़ी है जो गंभीर के स्वभाव के अनुसार बिल्कुल सही है। और गंभीर की रणनीति को जरूरी आकार देने के लिए सूर्यकुमार की जरूरत थी, एक ऐसा व्यक्ति जिसे अपने कौशल पर पूरा भरोसा हो और जो अपनी काबिलियत के बारे में जानता हो ताकि उन्हें पूरी तरह से लागू कर सके। लेकिन पिछले एक साल में, ऐसे कई उदाहरण मिले हैं जो बताते हैं कि गंभीर 'प्लान' बनाने वाले हैं और सूर्या उसे लागू करने वाले हैं।

बेशक दोनों के बीच एक अच्छा इतिहास है क्योंकि खिलाड़ी के तौर पर सूर्यकुमार ने पहली बार सुर्खियां तब बटोरी जब उन्होंने गंभीर की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए फिनिशर की भूमिका निभाई और उनका अब मशहूर नाम 'स्काई' असल में उन्हें मौजूदा मुख्य कोच ने ही दिया था।

भारतीय महिला हॉकी टीम में एकता और अनुशासन वापस लाना चाहते हैं शोर्ड मारिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चार साल बाद भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के तौर पर वापसी करने वाले शोर्ड मारिन का ध्यान टीम में एकता, अनुशासन और संस्कृति वापस लाने पर है तथा उनकी नजरें 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली टीम बनाने पर टिकी हैं। नीदरलैंड के 51 साल के कोच मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय टीम के प्रभारी थे और उनके मार्गदर्शन में महिला टीम ने तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया था।

उन्होंने हरेंद्र सिंह की जगह ली है जिनके मार्गदर्शन में भारत पिछली एफआईएच प्रो लीग में आखिरी स्थान पर रहा था और बाद में उसे एफआईएच नेशंस कप में खिसका दिया गया। मारिन ने बुधवार को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,

''मेरा मुख्य ध्यान एक इकाई बनाने पर है, जो बहुत जरूरी है, और संस्कृति वापस लाना है। एक टीम के तौर पर मिलकर काम करना, विश्व कप क्वालीफायर से पहले कम समय में अपना ज्ञान साझा करना, और यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है। एक इकाई, अनुशासन और कार्य आधारित रवैया आपको पदक दिलाएगा। अच्छी बात यह है कि जो स्तर मैंने अब अभ्यास मुकाबलों में देखा है, वह बहुत बेहतर है। हालात बहुत बेहतर हैं, फिटनेस बेहतर है। 2017 में जब मैं जुड़ा था तो स्तर कम था लेकिन इन वर्षों में सुधार हुआ है।''

सुविचार

जिंदगी क्या है देखो तो सपना है जिंदगी पढ़ो तो किताब है जिंदगी सुनो तो ज्ञान है जिंदगी पर हंसते रहो तो आसान है जिंदगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऑनलाइन गेमिंग: बड़े खतरे हैं इस राह में

गाजियाबाद में एक इमारत की नौवीं मंजिल से कूदकर तीन नाबालिग बहनों द्वारा अपनी जीवनलीला खत्म करने के मामले से कई सवाल खड़े होते हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों में एक ऑनलाइन कोरियन गेम का नाम सामने आने से मामला काफी पेचीदा हो गया है। पहले भी कोरियन गेम, ड्रामा और एक बैंड के प्रति आकर्षण की वजह से लड़कियां ऐसे कदम उठा चुकी हैं, जिन्होंने उनको संकट में डाला था। चूंकि अभी जांच चल रही है, इसलिए उक्त तीनों लड़कियों के मामले में शक की सुई कोरियन गेम की ओर घूमना स्वाभाविक है। ऑनलाइन गेमिंग की लत पहले ही कई लोगों का घर बर्बाद कर चुकी है। जिसे इसका चस्का लग जाता है, वह अपने जरूरी काम छोड़कर गेम में डूबा रहता है। घंटों स्क्रीन पर नजरें जमाकर गेम खेलने से नेत्र-ज्योति पर असर पड़ता है। मानसिक स्थिति डांवाडोल हो जाती है। कुछ गेम तो हर चरण के लिए खतरनाक टास्क देते हैं। उन्हें पूरा करने के लिए लोग खुद को या दूसरों को नुकसान पहुंचाने से भी गुरेज नहीं करते। मध्य प्रदेश के भोपाल का एक मामला चर्चा में है, जहां एक किशोर ने गलत कदम उठा लिया। वह एक ऑनलाइन गेम खेला करता था, जो अपने खतरनाक टास्क के लिए जाना जाता है। एक गेम ऐसा है, जो यूजर को ब्लेड के जरिए (खुद को) लहूलुहान करने का टास्क देता है। इसी तरह, एक और गेम ऊंची जगह से कूदने के लिए उकसाता है। कुछ साल पहले सोशल मीडिया पर एक मामला सुर्खियों में रहा था। एक दंपति ऑनलाइन गेम खेलते हुए वर्चुअल बच्चे की 'देखभाल' में इतना ज्यादा व्यस्त हो गया था कि अपने असली बच्चे को भूल गया था।

कई लोग ऑनलाइन गेम में रुपए लगाकर करोड़पति बनना चाहते हैं। वे इस कोशिश में खुद को तबाह कर लेते हैं। पिछले साल उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एक व्यक्ति ने पांच बीघा जमीन और मकान तक दांव पर लगा दिए थे। वह लगभग सवा करोड़ रुपए हारा था। हैरानी की बात यह थी कि वह एक सरकारी शिक्षक था! उस शख्स ने सबकुछ हारने के बाद मीडिया के सामने स्वीकार किया कि ऑनलाइन गेमिंग दिमाग को हैक कर लेती है। उसने एक दोस्त के कहने पर ऑनलाइन गेम खेलना शुरू किया था। पहले, उसने 18 लाख रुपए कमाए थे। उसे लगा कि वह जल्द ही मालामाल हो जाएगा। इसके लिए रातभर जागकर गेम खेलता और अपनी बचत का एक हिस्सा लगा देता। जब वह खत्म हो गई तो लाखों रुपए का कर्ज ले लिया। सबकुछ लुटाने के बाद गेम खेलना छोड़ा। ऐसे गेम बच्चों के लिए बहुत खतरनाक हैं। एक मशहूर अभिनेता की बेटी ऑनलाइन गेम खेलते हुए किसी अजनबी के संपर्क में आई थी। एक दिन उस शख्स ने अभिनेता की बेटी से आपत्तिजनक तस्वीरें मांगीं। ताइवान में एक शख्स कैफे में तीन दिन तक लगातार ऑनलाइन गेम खेलता रहा। आखिर में उसके प्राण पखेरू उड़ गए। दक्षिण कोरिया में एक युवक कई दिनों तक ऑनलाइन गेम्स की दुनिया में ही खोया रहा। एक दिन उसके अंगूठे ने काम करना बंद कर दिया। एक युवती रात-रातभर गेम खेलने के कारण स्क्रीन पर नजरें जमाकर रखती थी। कुछ महीने बाद उसकी नेत्र-ज्योति बहुत कम हो गई। थाईलैंड में एक दंपति के पांवों तले जमीन खिसक गई, क्योंकि उसके इकलौते लड़के ने ज़िंदगीभर की बचत उड़ा दी थी। उसे एक गेम में टास्क मिला था कि वह कोई ऐसा काम करे, जिससे परिवार हैरान रह जाए। ये तो थोड़े-से उदाहरण हैं। ऑनलाइन गेमिंग के कारण दुनियाभर में जो कांड हुए हैं, उनकी सूची बहुत लंबी है। लोगों को समय रहते सावधान हो जाना चाहिए। खतरनाक ऑनलाइन गेम से खुद दूर रहें और अपने बच्चों को भी दूर रखें।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस का इतिहास सिखों के प्रति घृणा से भरा रहा है, और आज राहुल गांधी जी के व्यवहार में वही मानसिकता स्पष्ट रूप से नज़र आई। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू जी के लिए 'गद्दार' जैसे अपमानजनक शब्द का प्रयोग, कांग्रेस पार्टी की सिख-विरोधी सोच का जीवंत उदाहरण है।

-नीतिन नबीन

कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए सीकर के श्रीमाधोपुर निवासी अग्निवीर वीर सपूत करण सिंह जी राठौड़ जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। शहीद के परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति और परिवारजनों को दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान करें।

-गोविंदसिंह डोटासरा

आज दिल्ली से जोधपुर आकर भाजयुमो राजस्थान द्वारा आयोजित बजट युवा सम्मेलनमें युवा शक्ति से देश की बढ़ती आर्थिक शक्ति पर चर्चा की। बड़ी संख्या में आए युवाओं का मोदी जी के संकल्प विकसित भारत में योगदान देने को लेकर उत्साह अत्यंत प्रभावी रहा।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मानवता प्रेम

गोपबंधु दास को हम 'उत्कल-मणि' के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने पूरा जीवन निराश्रितों, पीड़ितों व शोषितों की भलाई करने में बिता दिया। एक बार उनके पड़ोस के गांव में भीषण आग लग गई। गोपबंधु दास अपने छात्रों व शिक्षकों के संग फौरन आग बुझाने पहुंचे। उन्होंने जी-जान से आगजनी में फंसे पीड़ितों की मदद की और लौट आये। घटना के दो रोज़ बाद आधी रात को अचानक तेज आंधी और वर्षा होने लगी। मूसलाधार बारिश के बीच सहसा कहीं से रोने की आवाज आने लगी। कोई दबे स्वर में रो रहा था। छात्रालय में अधेड़ हरिहर दास की नींद सबसे पहले टूटी। हरिहर की सतर्क निगाहें पांच-छह कमरे पार कर अटक गयी। उसने तेजी से बढ़कर किवाड़ खटखटाये। यह क्या? दास जी रो रहे थे। वे सहम गये। इस दौरान सब छात्र इकट्ठे हो गये। सब अवाक थे कि यह क्या हो गया? दास जी किस वजह से रोए। आखिर हरिहर ने ही हिम्मत करके पूछा, 'दास जी, आप क्यों रो रहे हैं?' दास जी सुबकते हुए उदास स्वर में बोले, 'हरिहर! मैं यहां छत के नीचे आराम से लेटा हूं। दो दिन पहले पास के गांव में जिन-जिन लोगों के घर जल गये थे वे अपने बाल-बच्चों और पशुओं को लेकर कहां आसरा खोज रहे होंगे?

सामयिक

भारत-अमेरिका व्यापार : मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां देर आए, दुरुस्त आए की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया।

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और मेक इन इंडिया को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को निरंतर धैर्य का परिणाम बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाज़ी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका।

यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दर्शाता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा।

उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि आर्थिक आंकड़ों, रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। भारत ने धैर्य रखा, आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः अपने हितों के अनुरूप परिणाम हासिल किया। निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है और यह विश्वास ही उसे महाशक्ति बनने की उड़ान देता है।

चिंतन

दम तोड़ रही हैं जीवनदायी नदियां

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

नदियां कभी हमारी पहचान थी। आदिकाल से जीवनदायिनी रही हमारी पवित्र नदियां आज दम तोड़ रही हैं। नदियों और झीलों के रूप में पानी के प्रचुर प्राकृतिक स्रोतों पर विचार करते हुए देखे तो भारत एक समृद्ध देश है। नदियां न केवल करोड़ों लोगों के लिए पेयजल, सिंचाई और आजीविका का मुख्य स्रोत हैं, बल्कि अपने प्राकृतिक सौंदर्य से देश की पहचान भी बनाती है। भारत में आठ मुख्य नदी प्रणाली हैं, जिनमें 400 से ज़्यादा नदियां बहती हैं। बहुत-से जन-जीवन इन नदियों के पानी पर आश्रित हैं। ऐसे में अगर नदियां ही मैली होंगी तो उनके लिए गुज़ारा करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। नदियों की साफ-सफाई और ज़रूरतों पर ध्यान न देने से नदियां सूख जाती हैं और इससे मौसम चक्र भी प्रभावित होता है। देश को नदियों की भूमि के रूप में उल्लेखित किया जा सकता है, भारत के लोग नदियों की पूजा देवी और देवताओं के रूप में करते हैं। लेकिन क्या विडंबना है कि नदियों के प्रति हमारा गहन सम्मान और श्रद्धा होने के बावजूद, हम उसकी पवित्रता, स्वच्छता और भौतिक कल्याण बनाए रखने में सक्षम नहीं हैं। हमारी मातृभूमि पर बहने वाली गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र और कावेरी या कोई अन्य नदी हो, कोई भी प्रदूषण से मुक्त नहीं है।

नदियों के प्रदूषण के कारण पर्यावरण में मनुष्यों, पशुओं, मछलियों और पक्षियों को प्रभावित करने वाली गंभीर जलजनित बीमारियाँ और स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। हमारी पवित्र नदियां आज कूड़ा घर बन जाने से कराह रही हैं, दम तोड़ रही हैं। गंगा, यमुना, घाघरा, बेतवा, सरयू, गोमती, काली, आमी, राप्ती, केन एवं मंदाकिनी आदि नदियों के सामने खुद का अस्तित्व बरकरार रखने की चिंता उत्पन्न हो गई है। बालू के नाम पर नदियों के तट पर कब्जा करके बैठे माफियाओं एवं उद्योगों ने नदियों की सुरम्यता को अशांत कर दिया है। प्रदूषण फैलाने और पर्यावरण को नष्ट करने वाले तत्वों को संरक्षण हासिल है। वे जलस्रोतों को पाट कर दिन-रात लूट के खेल में लगे हुए हैं।

केंद्र ने भले ही उत्तर प्रदेश सरकार की सात हजार करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना अपर गंगा केनाल एक्सप्रेस-वे पर जांच पूरी होने तक तत्काल रोक लगाने के आदेश दे दिए हों, लेकिन नदियों के साथ छेड़छाड़ और अपने स्वार्थों के लिए उन्हें समाप्त करने की साजिश निरंतर चल रही है। गंगा एक्सप्रेस-वे से लेकर गंगा नदी के इर्द-गिर्द रहने वाले 50 हजार से ज्यादा दुर्लभ पशु-पक्षियों के समाप्त हो जाने का ख़तरा भले ही केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की पहल पर रुक गया हो, लेकिन समाप्त नहीं हुआ। गंगा और यमुना के मैदानी भागों में माफियाओं एवं सत्ताधीशों की मिलीभगत साफ दिखाई देती है। नदियों के मुहाने और पाट स्वार्थों की बलिवेदी पर नीलाम हो रहे हैं।

नदियाँ प्रकृति की दी हुई वे नियामत हैं, जो अपने आंचल में ढेर सारा पानी प्रवाहित कर करोड़ों जीवों की प्यास शांत करती हैं। किसानों को अन्न जल से नवाजती हैं। अपनी इसी मातृ वत्सला वृत्ति के कारण नदियों को माँ स्वरुप सम्मान प्राप्त है, लेकिन विकास की अंधी हवस ने हमें माँ के प्रति अपने दायित्वों से विमुक्त कर दिया है। तभी आदि देव दिवाकर व भगवती गोदावरी की पुत्री सई नदी (जिसका जिक्र रामचरित मानस में भी किया गया है) काल कवलित हो रही है। कभी गंगा के समान पवित्र मानकर लोग इसके पानी का प्रयोग भोजन बनाने में करते थे। आज गंदी व प्रदूषण के कारण खाने की बात तो छोडिये लोग नहाने से भी डर रहे हैं।

नजरिया

शिक्षित युवा वर्ग की मुख्य समस्या बेरोजगारी

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 90094 15415

संभवत अगली जनगणना के बाद भारत सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश होगा इसके अलावा सबसे ज्यादा युवा जनसंख्या वाला भी देश होगा। निश्चित तौर पर यह हमारे पर निर्भर है। यह हमारी युवा जनसंख्या का उपयोग हम किस विकास की गति के साथ साथ तालमेल बिठाकर भारत राष्ट्र का गौरव बढ़ाते हैं। भारत का अधिकांश युवा रोजगार का तलबगार हो गया है,उसे सही मार्गदर्शन और नियोजन की योजना की जरूरत भी है। भारत की युवा और दीवा शक्ति के माध्यम से साइंस, टेक्नोलॉजी, मेडिकल, सेना, कंप्यूटर साइंस और स्वयं उद्यम के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारत को अग्रणी देश बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। अब इस विशाल जनसंख्या का सीमित संसाधन पर कितना दबाव होगा, आप ये कल्पना कर सकते हैं। बहुत अधिक जनसंख्या देश में अनेक सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक समस्याओं को जन्म भी देती है। वर्तमान में भारत 142 करोड़ जनसंख्या (अनुमानित) के साथ विश्व में दूसरे नंबर पर है पहले नंबर पर चाइना 145(अनुमानित)करोड़ की आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1989 से 11 जुलाई को हर वर्ष जनसंख्या दिवस के रूप में मनाता है पर जनसंख्या नियंत्रण या जनसंख्या नियोजन पर भारत जैसे देश में कोई भी योजना नहीं बनती है। यही जनसंख्या बढ़ चुकी है और भारत में युवा जनसंख्या 60 प्रतिशत से ज्यादा है तो इसका सकारात्मक उपयोग ही किया जाना युक्ति युक्त होगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से भारत की जनसंख्या बाजार की ताकत है पर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या विकास के लिए बड़ी बाधक भी है। अधिक जनसंख्या के दबाव में सीमित संसाधन छिन्न-भिन्न हो जाते हैं आम जनता को उनकी मूल जरूरतों की आवश्यक वस्तुएं नहीं मिल पाती और यदि मिलती भी है तो बहुत ऊंची दरों में या बहुत महंगाई के बाद। ऐसे में देश में अनेक समस्याएं पैदा होती है, और सबसे ज्यादा जनसंख्या के दबाव से विकास के लिए संकट खड़ा हो जाता है। विकास धीरे-धीरे मध्यम का अवरुद्ध हो जाता है। देश का आर्थिक नियोजन चरमराने लगता है। वर्ष 1951 से 81 के दशक को भारत की जनसंख्या की विस्फोटक अवधि के रूप में जाना जाता है। यह देश में मृत्यु दर के तीव्र स्खलन और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर के कारण हुआ है। वर्ष 1921 तक की अवधि में भारत की जनसंख्या की वृद्धि स्थिर अवस्था में रही क्योंकि इस अवधि में जनसंख्या वृद्धि की दर काफी निम्न थी। 1981 से लगातार अभी तक जनसंख्या की दर बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा बढ़ती जनसंख्या के मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस स्लोगन 'परिवार नियोजन मानव का अधिकार' रखा गया है, ताकि बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न समस्याओं के प्रति जागरूक होकर लोगों द्वारा परिवार नियोजन पर उत्साहजनक जोर दिया जाए। यह स्लोगन यह संकेत करता है कि सुरक्षित एवं शैक्षिक परिवार नियोजन एक जिम्मेदार नागरिक का अधिकार है और यह सभी लोगों को सशक्त बनाएगा और देश में विकास की गति को तेज करने में सहायक भी होगा। भारत की जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण बढ़ती जन्म दर और कम मृत्यु दर भी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश मैं बेरोजगारी गरीबी पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं चुनौती बनकर सामने आई जो समाज व्यक्ति और राष्ट्र सभी के विकास को अवरुद्ध करती है। हमारे पास उपलब्ध संसाधन इतनी बड़ी आबादी के लिए कतई पर्याप्त नहीं है। विकास और देश की समृद्धि के लिए जनसंख्या नियंत्रण एक आवश्यक अंग हो सकता है। कई यूरोपीय देशों ने अपनी बढ़ती जनसंख्या एवं संसाधनों में उचित तालमेल हेतु परिवार नियंत्रण प्रणाली को का निर्णय लिया किंतु एक समय बाद वहां कार्यशील जनसंख्या की अपेक्षा वृद्धों की संख्या में वृद्धि हुई जिससे मानव संसाधन की समस्याएं उनके सामने आने लगी हैं। चीन में पहले जनसंख्या नियंत्रण किया गया था।

भारत की जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो दिन दूर नहीं जब संसाधनों की कमी से भारत को जूझना होगा फिर विकास की बात बेमानी हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य है कि व्यक्ति समाज सरकार और योजना कानों के मन में इस विषय से संबंधित समस्याओं के प्रति चेतना संवेदना जगाना ही है ताकि लोगों में बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी समस्याएं एवं अवरोधों के बारे में जागरूकता ज्यादा से ज्यादा विस्तारित हो। भारत के पास विकास के सभी मापदंड होते हुए भी देश पिछड़ा हुआ है, भारत में तकनीकी का कम विकास, कमजोर शिक्षा, परंपरागत स्रोत, कृषि का निम्न स्तर, आर्थिक असमानता जैसी अनेक समस्याएं हैं जो विकास मैं बाधक बनती रही है।

वर्तमान में देश के पास प्राकृतिक एवं मानव संसाधन इतना है कि बढ़ती जनसंख्या की समस्याओं से आसानी से निपटा जा सके पर इस बात की अत्यंत आवश्यकता है कि संसाधनों का उचित दोहन तथा उसका सही उपयोग विकास की दिशा में भ्रष्टाचार से बचाकर किया जाए। यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि जनसंख्या की समस्या से निपटने तथा विकास की दर को बढ़ाने की जिम्मेदारी केवल शासन प्रशासन की ही नहीं है इसके लिए आम नागरिक भी जिम्मेदार है क्योंकि समस्याएं खड़ी करने में आमजन का एक बड़ा वर्ग भी है, इसीलिए हम सबको जनसंख्या नियंत्रण और विकास की धारा को सही दिशा प्रदान करने के लिए सक्रिय सहयोग देना होगा तब ही देश एक सशक्त राष्ट्र बन पाएगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विपक्ष 11 साल में अपनी साख नहीं बना पाया : नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने दावा किया कि विपक्ष 11 साल से अपनी कोई साख नहीं बना पाया है। उन्होंने यह सलाह भी दी कि कौशल विकास मंत्रालय में विपक्ष के लिए एक कौशल विकास कार्यक्रम नि:शुल्क चलाया जाना चाहिए।

उच्च सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर पेश किए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए सदन के नेता जे पी नड्डा ने कहा कि यह अभिभाषण अमृतकाल को प्रतिबिंबित करता है और देश की 150 करोड़ लोगों की आशाओं का घोषणापत्र है। उन्होंने कौशल विकास मंत्री जयंत चौधरी को सुझाव दिया कि वह अपने मंत्रालय में विपक्ष के लिए कौशल सिखाने का कार्यक्रम शुरू करें तथा विपक्ष को भाजपा से सीखना चाहिए कि विपक्ष में रहकर कैसे विरोध करते हैं।

नड्डा ने कहा, ''मैंने (कांग्रेस सांसद) जयराम रमेश को बताया था कि हम 40 साल तक विपक्ष में रहे। विपक्ष का सबसे पहला काम होता है कि वह अपनी साख बनाये। आप (कांग्रेस) 11 साल में साख ही नहीं बना पाए।'' उन्होंने हंसते हुए मंत्री जयंत चौधरी से कहा कि वह इस कार्यक्रम के लिए कोई फीस नहीं रखें। उन्होंने कांग्रेस की ओर संकते करते हुए कहा, ''यदि आपकी पार्टी कुछ अबोध लोगों की बंधक बन गई है तो हम क्या कर सकते हैं?''

नड्डा ने कहा कि पिछली सरकारों ने आतंकवाद के मामले में कुछ नरमी बरती किंतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के तहत भारत ने यह दिखा दिया

कि वह घर के भीतर घुसकर मारने से पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि आज का भारत 'न्यू नार्मल' के साथ खड़ा है। उन्होंने उरी एवं पहलगाम हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान के भीतर घुसकर चलाए गए विभिन्न ऑपरेशन का हवाला दिया। उन्होंने इस 'न्यू नार्मल' को स्पष्ट करते हुए कहा कि न्यूक्लियर ब्लेकमेल करना बंद करो, कोई न्यूक्लियर ब्लेकमेल नहीं चलगा। उन्होंने कहा कि दूसरी बात, आतंकवादियों को भाड़े का टट्टू नहीं माना जाएगा, सरकार का कृत्य माना जाएगा। ''तीसरा, सीमा पर आतंकवाद को उचित जवाब मिलेगा, आतंकवादियों के साथ या ऐसे देश के साथ कोई बातचीत नहीं होगी तथा खून एवं पानी, एक साथ नहीं बहेगा।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने गरीबों के नाम पर बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया किंतु फिर भी गरीबों के बैंक खाते नहीं खुल पाये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने जनधन खातों के माध्यम से गरीबों को बैंक में खाते खोलने का अवसर दिया।

सदन के नेता ने कहा कि उनकी सरकार ने यह नहीं कहा कि वह गरीबी हटायेगी बल्कि उसने गरीबों का सशक्तिकरण कर उन्हें चार करोड़ पक्के घर दिए, 12 करोड़ पेयजल कनेक्शन दिए तथा 95 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गरीबी हटाने की केवल बात करती थी इसलिए लोगों ने उसे ही (सत्ता से) हटा दिया। नड्डा ने कहा कि नीतिगत अपंगता के दौर से निकल कर हम सुधार, प्रदर्शन और रूपांतरण के दौर में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि देश आज अमृतकाल के दूसरे चरण में पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि देश को अगले 25 साल में विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करना है और इस लक्ष्य के लिए तेजी से बदलाव करने के संकेत राष्ट्रपति के अभिभाषण में मिलते हैं। उन्होंने कहा कि देश ने इस बात को देखा कि कितने विरोध के बावजूद देश में जीएसटी लागू किया गया तथा इसमें लगातार सुधार किए जा रहे हैं।

उद्घाटन

नेपाल के बेनी म्युनिसिपैलिटी को भारत की राजधानी नई दिल्ली से जोड़ने वाली डायरेक्ट बस सर्विस के उद्घाटन के दौरान लोग।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग पर प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया का सख्त रुख, मुंबई की सुरक्षा व्यवस्था पर जताई चिंता

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर पर फायरिंग की घटना के बाद पूरे मनोरंजन जगत में चिंता का माहौल है। इस घटना को लेकर अब प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने भी आधिकारिक बयान जारी करते हुए गहरी नाराजगी और चिंता जाहिर की है। गिल्ड का कहना है कि इस तरह की घटनाएं मुंबई जैसे महानगर की उस पहचान को नुकसान पहुंचाती हैं, जिस पर पूरा देश गर्व करता है।ट प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने अपने बयान में कहा कि वह इस घटना से बेहद चिंतित और व्यथित है। गिल्ड ने बताया कि रोहित शेट्टी न सिर्फ एक सफल फिल्म निर्माता हैं, बल्कि फिल्म बिरादरी के एक अहम और सम्मानित सदस्य भी हैं। ऐसे में उनके घर को निशाना बनाना पूरी इंडस्ट्री के लिए चिंता का विषय है। गिल्ड ने घटना को गंभीर बताया है, जिसे किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अपने बयान में प्रोड्यूसर्स गिल्ड ने मुंबई की उस भावना का जिक्र किया, जिस पर यहां के लोग हमेशा गर्व करते आए हैं।

सनी देओल की आंखों पर बैठी थी मक्खी, फिर भी नहीं रोका शॉट : तिलोत्तमा शोम

मुंबई/एजेन्सी

नेटफ्लिक्स की आगामी ड्रामा फिल्म 'इक्का' जल्द ही स्ट्रीमिंग पर आने वाली है। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसमें सनी देओल और अक्षय खन्ना 29 साल बाद फिर से पर्दे पर साथ में नजर आएंगे। फिल्म में सनी और अक्षय के अलावा, दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम, संजीदा शेख समेत कई कलाकार नजर आएंगे। हाल ही में नेटफ्लिक्स के कार्यक्रम में अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम ने फिल्म और सनी देओल के साथ काम करने का एक मजेदार किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया, मेरे ज्यादातर सीन सनी देओल के साथ हैं। एक दिन शूटिंग के दौरान सनी देओल का क्लोज-अप खत्म हो गया था और मेरा क्लोज-अप चल रहा था। तभी दो मक्खियां सनी देओल की आंखों के आसपास मंडरा रही थीं। एक मक्खी चली गई, लेकिन दूसरी

उनकी आंख की वॉटरलाइन पर बैठ गई। फिर भी सनी देओल ने शॉट कट नहीं किया। मैं जल्द ही डायलॉग खत्म करने की कोशिश कर रही थीं क्योंकि मक्खी रेंग रही थी और मैं परेशान हो रही थी। शॉट खत्म होने के बाद मैंने उनसे पूछा, सर, आपने कट क्यों नहीं कहा? इसका जवाब देते हुए सनी ने कहा, मैं अपना टेक खराब नहीं करना चाहता था।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि इतने सालों के बाद भी सनी देओल इतने उदार और प्रोफेशनल हैं। आमतौर पर असहज होने पर लोग कट कह देते हैं, लेकिन उन्होंने नहीं कहा।

यह उनके लिए बहुत इमोशनल पल था। फिल्म 'इक्का' एक कोर्टरूम थ्रिलर है। कहानी एक ईमानदार और मशहूर वकील की है, जिसे मजबूरी में एक हत्या के आरोपी का केस लड़ना पड़ता है। यह आरोपी वही व्यक्ति है, जिसके करियर को उस वकील ने पहले बर्बाद कर दिया था।

वकील को केस जीतने के लिए हर तरह के तरीके अपनाने पड़ते हैं- चाहे वे सही हों या गलत, क्योंकि हारने पर वह सब कुछ खो देगा। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा द्वारा निर्देशित यह सीरीज जल्द ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जाएगी।

लीबिया के तानाशाह रहे कज्जाफी के बेटे की हत्या: अधिकारी

काहिरा/एपी। लीबिया के तानाशाह रहे मुअम्मर कज्जाफी के बेटे और कभी उनके उत्तराधिकारी माने जाने वाले सैफ अल-इस्लाम कज्जाफी की हत्या कर दी गई। लीबिया के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

लीबिया के मुख्य अभियोजक कार्यालय के अनुसार, 53 वर्षीय सैफ अल-इस्लाम कज्जाफी की हत्या राजधानी त्रिपोली से 136 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित जिंटान कस्बे में हुई।

अभियोजक कार्यालय ने बताया कि शुरुआती जांच में यह पता चला कि सैफ अल-इस्लाम की हत्या गोली मारकर की गई है। हालांकि कार्यालय ने हत्या की परिस्थितियों के बारे में विस्तार से नहीं बताया।

सैफ अल-इस्लाम के वकील खालिद अल-जैदी ने 'फेसबुक' पर उनकी मृत्यु की पुष्टि की लेकिन हत्या के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया में लंबे समय से जारी संघर्ष को सुलझाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में आयोजित राजनीतिक वार्ता में कज्जाफी का प्रतिनिधित्व करने वाले अब्दुल्लाह ओथमान अब्दुर्रहीम ने भी 'फेसबुक' पर उनकी मौत की जानकारी दी।सैफ अल-इस्लाम की राजनीतिक टीम ने बाद में एक बयान जारी करके कहा कि ''चार नकाबपोश लोगों'' ने उनके घर पर धावा बोला और ''कायरों की तरह, छल से'' उनकी हत्या कर दी। बयान में कहा गया कि उनकी हमलावरों से झड़प हुई जिन्होंने ''अपने जघन्य अपराधों के सबूत मिटाने के प्रयास में'' घर के सीसीटीवी कैमरे तक बंद कर दिए।

जून 1972 में त्रिपोली में जन्मे सैफ अल-इस्लाम लीबिया के लंबे समय तक तानाशाह रहे कज्जाफी के दूसरे बेटे थे। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पीएचडी की थी और उन्हें कज्जाफी शासन में सुधारवादी चेहरा माना जाता था।

प्रचार

मुंबई में बुधवार को बॉलीवुड एक्टर मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी आने वाली फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक 'मां वंदे' ने हैदराबाद में पहला शेड्यूल पूरा किया

मुंबई/एजेन्सी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक 'मां वंदे', जिसमें उन्नी मुकुंदन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, ने हैदराबाद में अपना पहला शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस खास मौके पर मेकर्स ने सेट से बिहाइंड द सीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें इस बड़े और महत्वाकांक्षी बायोग्राफिकल ड्रामा की पहली झलक देखने को मिलती है।

हैदराबाद शेड्यूल की शुरुआत शुभ मुहूर्त में पारंपरिक पूजा के साथ हुई थी, जिसके बाद फिल्म के कई अहम सीन शूट किए गए। इस चरण के पूरा होते ही अब टीम अगले शेड्यूल के लिए कश्मीर का रुख करने वाली है। सामने आई बीटीएस तस्वीरों में सेट के दिलचस्प पल कैद हैं, जहां निर्देशक क्रांति कुमार सी. एच. उन्नी मुकुंदन के साथ नजर आ रहे हैं। 'मां वंदे' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन सफर से प्रेरित एक बायोग्राफिकल ड्रामा है, जो मूल्यों, उद्देश्य और जुझारूपन से जुड़ी कहानी को बड़े पर्दे पर उतारता है। इस प्रोजेक्ट का ऐलान सितंबर में प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर किया गया था और इसे इंटरनेशनल प्रोडक्शन स्टैंडर्ड्स और मजबूत तकनीकी स्तर के साथ भव्य पैमाने पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म का निर्माण वीर रेड्डी एम. ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्देशन क्रांति कुमार सी. एच. ने संभाला है।

'मां वंदे' में एक जबरदस्त टेक्निकल टीम साथ आई है, जिसमें एक्शन डायरेक्टर किंग सोलोमन, प्रोडक्शन डिजाइनर साबू सायरिल, एडिटर श्रीकर प्रसाद, सिनेमैटोग्राफर के. के. सेंथिल कुमार और म्यूजिक कंपोजर रवि बसुर शामिल हैं। इस टीम के नाम बाहुबली और सालार जैसी यादगार फिल्मों का अनुभव है, वहीं केजीएफ की धमाकेदार धुनों से रवि बसुर पहले ही अपनी पहचान बना चुके हैं। ऐसी टीम के साथ मेकर्स का इरादा साफ है इस बायोपिक को उसके विषय के अनुरूप भव्य, दमदार और सिनेमाई अनुभव बनाना।

अनन्या पांडे ने किए ज्योतिर्लिंग के दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनन्या पांडे अक्सर अपने ग्लैमरस लुक से चर्चाएं बटोरती रहती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपनी धार्मिक यात्रा से फैंस को चौंका दिया है। अभिनेत्री ने हाल ही में ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। उन्होंने इस धार्मिक यात्रा की झलकियां इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। अभिनेत्री अनन्या पांडे ने महाराष्ट्र के नासिक स्थित प्रसिद्ध त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन किए। यह यात्रा उनके लिए पहला ज्योतिर्लिंग दर्शन है, जिसे अनन्या ने बेहद खास और पवित्र बताया है। तस्वीरों में अनन्या महादेव के सामने नतमस्तक नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वे शिवलिंग पर जल चढ़ाते हुए दिख रही हैं, तो दूसरी में हाथ जोड़कर भक्ति में डूबी नजर आ रही हैं। अनन्या ने पोस्ट कर लिखा, हर हर महादेव। मेरा पहला ज्योतिर्लिंग एक सुंदर और पवित्र यात्रा की शुरुआत।

अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद उनके फैंस और इंडस्ट्री के कई लोगों ने कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। संजय कपूर की पत्नी, महीप कपूर, ने कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोजी से प्रतिक्रिया दी। वहीं, फैंस ने 'हर हर महादेव' और 'जय भोलेनाथ' जैसे कमेंट से प्रतिक्रिया दी।

कई समय से अभिनेत्री का अध्यात्मिकता की ओर झुकाव दिख रहा है। इससे पहले भी वह महादेव के मंदिर में गई थीं, जिसकी कुछ झलक उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की थी।महाराष्ट्र के नासिक में स्थित त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, भगवान शिव के 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक (आठवां), है, जो अपनी अनूठी त्रिमूखी (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) लिंग स्वरूप के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर गोदावरी नदी के उद्गम स्थल और कुशावर्त तीर्थ के निकट स्थित है।

काले पत्थरों से निर्मित यह मंदिर कालसर्प दोष पूजा और नारायण नागबली जैसे अनुष्ठानों के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। अभिनेत्री जल्द ही लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर और अदार पूनावाला हैं। यह फिल्म 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैं फेल हो सकती हूं, मगर हार नहीं मानूंगी : पायल राजपूत

हैदराबाद/एजेन्सी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस पायल राजपूत ने अपनी मेहनत और संघर्ष की कहानी के साथ अपने मजबूत इरादे को जाहिर किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगी। पायल ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं, और मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों में की गई कड़ी मेहनत के बारे में सोचती हूं। इसलिए मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी। नेपोटिज्म जैसे गंभीर मुद्दों पर पायल अक्सर अपने राय रखती रहती हैं। इससे पहले भी उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की थी। उन्होंने लिखा था कि एक्टर बनना सबसे मुश्किल करियर में से एक है। हर दिन अनिश्चितता के साथ शुरू होता है, जहां टैलेंट से ज्यादा विशेषाधिकार और कनेक्शन हावी हो जाते हैं। पायल ने बताया था कि कई बार उन्हें शक होता है कि उनकी मेहनत और लगन ऐसी दुनिया में नोटिस होगी भी या नहीं। मौके अक्सर मशहूर सरनेम या पावरफुल एजेंट वाले लोगों के पास चले जाते हैं। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और टैलेंट पर भरोसा रखा। फिलहाल पायल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह तेलुगू फिल्म 'वेंकटलक्ष्मी' में नजर आने वाली हैं, जिसे मशहूर डायरेक्टर मुनि बना रहे हैं। मेकर्स इस फिल्म को तेलुगू, तमिल और हिंदी में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, पायल के पास एक और तमिल फिल्म है। अनटाइटल्ड फिल्म एक बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, जिसे जाने-माने डायरेक्टर आर.एस. दुरई सेंथिलकुमार डायरेक्ट कर रहे हैं। शूटिंग का पहला फेज चेन्नई में पूरा हो चुका है। जानकारी के अनुसार यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक रोमांचक एक्शन-ड्रामा है। संगीत जिब्रान दे रहे हैं, सिनेमैटोग्राफी एस. वेंकटेश की है, एडिटिंग प्रदीप कर रहे हैं और आर्ट डायरेक्शन दुरईराज संभाल रहे हैं।

अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है : मेधा राणा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान अपने जीवन में आए बदलावों पर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए मेधा राणा ने कहा, ''साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढ़ने में बाधा भी बनते थे।'' उन्होंने कहा, ''जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।''

जब उनसे पूछा कि 2022 से अब तक उनके जीवन में सबसे बड़ा निजी बदलाव

क्या रहा है, तो मेधा ने कहा, ''मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है।'' मेधा राणा ने कहा, ''फिल्म 'बॉर्डर 2' मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। 'बॉर्डर 2' के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।''

उन्होंने कहा, ''अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।''

विजयनगर में सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर में 86 महिलाएं हुई लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा वर्धमान स्थानकवासी जैन ट्रस्ट भवन में सर्वाइकल कैंसर जागरूकता अभियान आरोग्यम के अंतर्गत नि:शुल्क पेप्समेयर स्क्रीनिंग जांच शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्षा महिमा पटवारी ने सभी का स्वागत करते हुए शिविर की जागरूकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानकवासी ट्रस्ट के सहयोग देने के प्रति धन्यवाद दिया। अभातेमम की राष्ट्रीय सदस्य वीणा बैद ने बताया कि आज यह अभियान संपूर्ण भारत में एक साथ चल रहा है। इस शिविर में शंकरा हॉस्पिटल से डॉक्टर शुभश्री टी. ने सर्वाइकल कैंसर से रोकथाम के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि 18 से 25 वर्ष की लड़कियों के लिए इस बीमारी से बचने हेतु वैक्सीन उपलब्ध है उसे जरूर लगवाना चाहिए। नटुस हॉस्पिटल की डॉक्टर तेजस्विनी ने भी सर्वाइकल कैंसर जागरूकता पर अपने विचार व्यक्त किए। मंडल की ओर से सभी चिकित्साओं का सम्मान किया। शिविर में 86 महिलाओं ने अपनी जांच करवाई।ङ्गअभातेमम की सहमंत्री मधु कटारिया, दक्षिणांचल कन्या मंडल प्रभारी रुचिका पटावरी के अलावा तेरापंथ महासभा, अणुव्रत समिति, विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी उपस्थित थे।प्रायोजक कन्हैयालाल छाजेड़ व चुकीबाई मांडोत परिवार के सदस्य उपस्थित थे। संयोजिका मोनिका गांधी ने संचालन किया तथा सहमंत्री अनीता जीरावाला ने धन्यवाद दिया। इस शिविर में संयोजिका मोनिका बांठिया, मोनिका गांधी एवं कन्या मंडल से प्रज्ञा छाजेड़ सहित मंडल की अनेक पदाधिकारी एवं सदस्याएं उपस्थित थीं।

ईश्वर भक्ति के लिए ब्रह्म मुहूर्त सर्वश्रेष्ठ समय है : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पीनिया दासरहल्ली में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्री का एक भक्त परिवार ने स्वागत किया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि रात्रि के अंतिम प्रहर को ब्रह्म मुहूर्त कहते हैं। हमारे ऋषि मुनियों ने इस मुहूर्त का विशेष महत्व बताया है। उनके अनुसार यह समय निद्रा त्याग के लिए सर्वोत्तम है। ब्रह्म मुहूर्त में उठने से सौंदर्य, बल, विद्या, बुद्धि और स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। सूर्योदय से चार घड़ी (लगभग डेढ़ घण्टे) पूर्व ब्रह्म मुहूर्त में ही जग जाना चाहिए। इस समय सोना शास्त्र निषेध है।

ब्रह्म का मतलब परम तत्व या परमात्मा। मुहूर्त यानी अनुकूल समय। रात्रि का अंतिम प्रहर अर्थात अल्लसुबह 4 से 5.30 बजे का समय ब्रह्म मुहूर्त कहा गया है। अमृत वेला, जिसके द्वारा इस समय का महत्व स्वयं ही साबित हो जाता है। ईश्वर भक्ति के लिए यह महत्व स्वयं ही साबित हो जाता है। ईश्वर भक्ति के लिए यह सर्वश्रेष्ठ समय है। इस समय उठने से मनुष्य को सौंदर्य, लक्ष्मी, बुद्धि, स्वास्थ्य आदि की प्राप्ति होती है। उसका मन शांत और तन पवित्र होता है।

उन्होंने कहा कि ब्रह्म मुहूर्त में उठने वाला व्यक्ति सफल, सुखी और समृद्ध होता है, क्योंकि जल्दी उठने से दिनभर के कार्यों और योजनाओं को बनाने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। इसलिए न केवल जीवन सफल होता है। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने वाला हर व्यक्ति सुखी और समृद्ध हो सकता है। कारण वह जो काम करता है उसमें उसकी प्रगति होती है। साध्वीश्री शीतलगुणाजी ने उपस्थित जनों को मांगलिक श्रवण करवाकर आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। आनंद धोका ने सभी का आभार व्यक्त किया।

'दादाजी महाराज' के फागोत्सव व भजनोत्सव में भक्ति में झूमे श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अक्षय भक्त मंडल के तत्वावधान में रविवार को गोड़वाड़ भवन में दादाजी महाराज के फागोत्सव व भजनोत्सव का आयोजन किया गया ।पंडित द्वारा गणपति पूजन करवाया गया। मंडल के अध्यक्ष किशनलाल मंडोलिया द्वारा ज्योत प्रज्वलित कर फागोत्सव का शुभारंभ किया गया। मंडल के स्थानीय गायक किशन मंडोलिया, मोनू गाड़िया, श्रीराम आसोपा एवं मुरारी दाधीच आदि

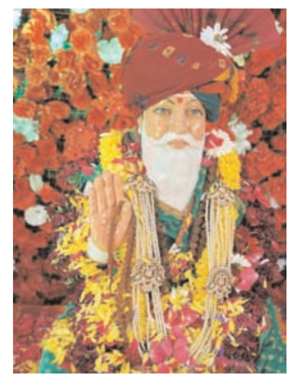

कलाकारों सहित कोलकाता से आए भजन गायक संजय शर्मा व मुम्बई से आए मनोज छापरवाल ने अनेक मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में उदासीन मठ के श्री गणेशदास जी की विशेष उपस्थित थीं।

इस अवसर पर अक्षय भक्त मंडल सेवा समिति कोलकाता के संरक्षक रामोतार दायमा, अखिल भारतीय दाधीच ब्राह्मण महासभा के अनेक पदाधिकारियों के साथ दधिमती सेवा ट्रस्ट गुरुकुल गोठ माँगलोद के सदस्यों की विशेष उपस्थिति थीं। मंडल के अनेक सदस्यों ने भक्तों का स्वागत किया। विमलेश पारीक ने संचालन किया।

राज्य बजट में जैन समुदाय को ज्यादा अनुदान मिले : जीतो प्रतिनिधि मंडल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो केकेजी जोन एवं जीतो बेंगलूरु व मैसूर प्रतिनिधियों ने कर्नाटक सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान से भेंट कर आगामी राज्य बजट में जैन समाज को ज्यादा अनुदान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। प्रतिनिधि मंडल में शामिल जीतो केकेजी जोन के अल्पसंख्यक संयोजक सिद्धार्थ बोहरा, नार्थ अल्पसंख्यक के संयोजक किशोर कर्णावट एवं जीतो मैसूर अल्पसंख्यक संयोजक सुरेश जैन आदि शामिल थे।

राज्य अल्पसंख्यक निदेशक के कार्यालय में आयोजित अल्पसंख्यक समुदाय हेतु प्री बजट बैठक में प्रतिनिधि मंडल ने मंत्री जमीर अहमद खान, सांख्यिकी मंत्री डी सुधाकर तथा नगरपालिका प्रशासन मंत्री रहीम खान से पिछले बजट में घोषित जैन विकास निगम के शीघ्र गठन, जैन व्यापारियों के औद्योगिक विकास हेतु आरक्षित जमीन, समुदाय हेतु हॉस्टल सहित विद्यालय तथा जैन समुदाय के माइनॉरिटी सर्टिफिकेट की प्रक्रिया को सरल करने का अनुरोध किया।

संपन्नता के साथ वाणी का विवेक और अच्छी समझ व दृष्टि भी आवश्यक : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में एक प्रवचन में विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि सुख की श्रृंखला अनेक कड़ियों से जुड़ी होती है तभी सुख की अनुभूति हो सकती है। मात्र निरोगी काया हो और आयुष्य ही न हो तथा घर में संपन्नता न हो तो सुख की अनुभूति असंभव है। संपन्नता के साथ वाणी का विवेक और अच्छी समझ व दृष्टि भी आवश्यक है। सुख का अनुभव करने के लिए आसपास का वातावरण व अनुकूल माहौल भी जरूरी है। विनयमुनि जी ने कहा कि साधना में आग्रह नहीं होना चाहिए। आग्रह में खींचतान होती है। खींचतान में शांति नहीं होती है। बहुश्रुत मुनि समर्थमलजी का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने अपने उपदेशों में कभी आग्रहवृत्ति नहीं रखी इसलिए आज भी वे स्थानकवासी संघ में विशिष्ट स्थान रखते हैं। आग्रह में भाव हिंसा है। तपस्या कराने में भी आग्रह नहीं होना चाहिए मात्र प्रेरणा हो सकती है।ङ्ग मुनिश्री ने धर्म बावनी का विश्लेषण करते हुए कहा कि पुण्य साधन है। साधक की मंजिल नहीं है। पुण्य का प्रदर्शन और अहंकार नहीं होना चाहिए। पुण्य का प्रदर्शन पुण्य का विनिमय व्यापार है। पुण्य में स्वार्थ भी नहीं आना चाहिए। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने संचालन किया। अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

यशवंतपुर में नि:शुल्क सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर के तत्वावधान में नि:शुल्क सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। शिविर का उद्घाटन अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सहमंत्री मधु कटारिया, मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मल्लेश्वरम वार्ड के अध्यक्ष गौतम मुथा, कर्नाटक कैंसर सोसाइटी के वाइस प्रेसिडेंट डॉ तृप्ति, मंत्री अनिल दक, परिषद अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल, सुनील बोल्या, अभातेयुप के कार्यसमिति सदस्य विनोद मुथा, अध्यक्ष रेखा पितलिया, निवर्तमान अध्यक्ष मीना दक आदि ने किया। अध्यक्ष रेखा पितलिया ने सभी का स्वागत किया। ङ्गमधु कटारिया ने बताया कि पूरे भारत वर्ष में एक ही समय पर एक साथ कई जगह कैंसर कैंप का आयोजन हो रहा है। डॉ तृप्ति कुलकर्णी ने कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाई। गौतम मुथा ने कर्नाटक कैंसर सोसाइटी के कार्यों का परिचय दिया। मंडल द्वारा हॉस्पिटल को सहयोग देने हेतु अभिनंदन पत्र दिया गया। बैनर अनावरण में प्रायोजक महावीर गन्ना, सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल की विशेष उपस्थिति थी। इस मौके पर विभिन्न संबंधित संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। मंत्री टीना पितलिया ने जांच कराने वाली सभी 100 महिलाओं को धन्यवाद दिया। महिला मंडल व कन्या मंडल की सदस्याओं ने व्यवस्था संभाली।

चैत्रा गौशाला में गुरुगणेश सेवा समिति बनवाएगी गायों के लिए शेड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरुगणेश सेवा समिति, कर्नाटक के सदस्यों ने बुधवार को पांडवपुरा दोड्डब्यादरहल्ली में स्थित ध्यान फाउंडेशन चैत्रा गौशाला का निरीक्षण किया गया तथा गौशाला में एक शेड के निर्माण कराने के निर्णय की घोषणा की। यह शेड निर्माण गोवंश सेवा, करुणा, संवेदना और समर्पण, समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक होगा।

अध्यक्ष ने शेड निर्माण की घोषणा की जबकि कोषाध्यक्ष ने समर्थन किया। इस मौके पर चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरण चंद बोहरा, कार्याध्यक्ष आशीष बाफना, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, सहमंत्री महेन्द्र मेहता, सदस्य प्रकाशचंद बाफना और पांडवपुर संघ के उपाध्यक्ष अशोक मेहता मौजूद थे।

बेंगलूरु ने आईएचएम इंटरनेशनल यंग शेफ ओलंपियाड की मेजबानी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बुधवार को बेंगलूरु ने वैश्विक पाक कला जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई, क्योंकि यहाँ 12वें आईआईएचएम इंटरनेशनल यंग शेफ ओलंपियाड (वाईसीओ) 2026 के आधिकारिक प्रतियोगिता चरणों में से एक का आयोजन हुआ। यह छात्र शेफ के लिए दुनिया की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित पाक कला प्रतियोगिता है। यह आयोजन भोजन के माध्यम से एकता, स्थिरता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का जश्न मनाता है, और दुनिया भर से पाक कला प्रतिभाओं की अगली पीढ़ी को एक साथ लाता है।

लंदन स्थित इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी काउंसिल (आईएचसी) के तत्वावधान में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईआईएचएम) द्वारा आयोजित, बेंगलूरु चरण का आयोजन आईआईएचएम बेंगलूरु परिसर की रसोई में कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता और निर्णायक मंडल के मानकों का पालन करते हुए किया गया। मॉरीशस, कोलंबिया, केन्या, सऊदी अरब, इंग्लैंड, इक्वेटोरियल गिनी और तिमोर-लेस्ते के युवा पाक कला प्रतिभाओं ने कौशल-प्रधान चुनौतियों में भाग लिया, जिन्हें तकनीक, रचनात्मकता, नवाचार, स्वच्छता प्रथाओं और पेशेवर रसोई अनुशासन का परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

12वें आईआईएचएम इंटरनेशनल यंग शेफ ओलंपियाड 2026 के बारे में बात करते हुए, इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी काउंसिल (आईएचसी) के सीईओ, यंग शेफ ओलंपियाड के संस्थापक और आईआईएचएम के अध्यक्ष डॉ. सुबोर्नो बोस ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में, यंग शेफ ओलंपियाड एक अद्वितीय वैश्विक मंच के रूप में विकसित हुआ है जो प्रतियोगिता से परे जाकर भोजन के माध्यम से सीखने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देता है।

वाईसीओ 2026 इस यात्रा को जारी रखते हुए दुनिया भर से युवा पाक प्रतिभाओं को एक साथ लाता है, साथ ही स्थिरता, व्यावसायिकता और एकता के मूल्यों को सुदृढ़ करता है जो आतिथ्य उद्योग के भविष्य को परिभाषित करते हैं। बेंगलूरु में आयोजित 12वें आईआईएचएम इंटरनेशनल यंग शेफ ओलंपियाड 2026 ने 'पाक कला युवा कूटनीति' की भावना को भी प्रदर्शित किया।

टी.दासरहल्ली में भी मनाया जाएगा महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव?

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जैन महावीर मंडल, टी.दासरहल्ली के पदाधिकारियों की बैठक मंडल अध्यक्ष सुरेश चावत के नेतृत्व में मुनिसुव्रत स्वामी जैन मंदिर में आयोजित हुई जिसमें सर्वसम्मति से भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव को धूमधाम से मनाने का प्रस्ताव पारित किया गया। सभी पदाधिकारियों ने यह विचार व्यक्त किया कि जन्म कल्याणक महोत्सव अपने ही क्षेत्र में आयोजित किया जाना चाहिए। इस अवसर पर प्राणी हिंसा, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूकता फैलाने का भी संकल्प लिया गया। महोत्सव के अंतर्गत प्रातः से सायं तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भगवान महावीर स्वामी का वरघोड़ा, मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना तथा सायंकाल भक्ति संध्या का आयोजन शामिल रहेगा। इस बैठक में मंत्री हंसमुख बाबेल, उपाध्यक्ष प्रवीण बोहरा, कोषाध्यक्ष परेश नंगावत, सहमंत्री ललित कालिया, संगठन मंत्री दिलीप पोखरणा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

डेविस कप : बेंगलूरु के ऊंचाई पर स्थित स्थल से सामंजस्य बैठाना होगा भारत-नीदरलैंड को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत और नीदरलैंड जब इस सप्ताहांत बेंगलूरु में डेविस कप मुकाबले के लिए कोर्ट पर उतरेंगे तो वे सिर्फ एक-दूसरे से मुकाबला नहीं करेंगे बल्कि टेनिस की सबसे मुश्किल परिस्थितियों में से 'एक ऊंचाई' का भी सामना करेंगे। समुद्र तल से 900 मीटर (2,950 फीट) की ऊंचाई पर बेंगलूरु भारत का सबसे ऊंचाई पर स्थित टेनिस आयोजन स्थल है जो पुणे (550 मीटर) से काफी अधिक ऊंचाई पर स्थित है। हालांकि यह क्रिटो (2850 मीटर) या ला पाज (3500 मीटर) जैसे स्थलों जितना मुश्किल नहीं है लेकिन इतनी ऊंचाई पर भी हवा गेंद, शरीर और खिलाड़ियों के अंक बनाने के तरीके पर काफी असर डाल सकती है। डेविस कप जैसी टीम प्रतियोगिताओं में गलती की गुंजाइश काफी कम होती है और ऐसे में परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाना काफी महत्वपूर्ण होगा। ज्यादा ऊंचाई पर हवा का सीधा असर गेंद की स्पीड पर होता है - शॉट तेजी से जाते हैं और गेंद अधिक उछलती है। समुद्र तल के स्तर पर जो रैली नियंत्रण में लगती है ,वह बेंगलूरु में अचानक लंबी जा सकती है। खिलाड़ियों को सबसे पहले जो बदलाव करना होता है वह है रैकेट की तारों में।

ढीली तारें 'ट्रैम्पोलिन' प्रभाव को बढ़ा देती हैं जिससे नियंत्रण कम हो जाता है और गेंद को अधिक जोर से मारने का जोखिम बढ़ जाता है। अधिक ऊंचाई पर खिलाड़ियों के लिए कुछ शॉट खेलना मुश्किल हो जाता है जबकि कई शॉट खेलना आसान हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों को दमदार सर्विस करने वाले या फिर बेसलाइन पर ठोस रिटर्न करने वाले खिलाड़ियों को फायदा होता है। गेंद के अलावा शरीर पर भी ऊंचाई का असर होता है। हवा में ऑक्सीजन कम होने से खिलाड़ी उम्मीद से अधिक जल्दी थक सकते हैं, विशेषकर लंबी रैलियों या लंबे मुकाबलों के दौरान। ऐसी स्थिति में अंकों और गेम के बीच की उबरने की प्रक्रिया अधिक मुश्किल हो जाती है। ऐसे में परिस्थितियों के अनुसार ढलना बहुत जरूरी हो जाता है। जो टीम जल्दी आती हैं और आयोजन स्थल पर कई दिन अभ्यास करती हैं उन्हें साफ तौर पर फायदा होता है। ये सत्र सिर्फ गेंद को हिट करने के बारे में नहीं होते बल्कि ये खिलाड़ियों को सांस लेने के तरीके, तेजी और शारीरिक रूप से उबरने की प्रक्रिया में बदलाव में भी मदद करते हैं। ऊंचाई इस चीज में बदलाव नहीं करती कि बेहतर टेनिस खिलाड़ी कौन हैं लेकिन जो जितनी जल्दी सामंजस्य बैठाता है वह उतनी अच्छी स्थिति में होता है। बेंगलूरु में तैयारी, धैर्य और सटीकता उतनी ही मायने रखेगी जितनी प्रतिभा रखती है।

महालक्ष्मीलेआउट मंदिर पहुंचे आचार्यश्री भक्तिरत्नसूरीश्वर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महालक्ष्मी लेआउट में स्फटिक रत्नमय सह चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में प्रेम कंचन आराधना भवन में आचार्यपद प्राप्त कर आचार्यश्री भक्तिरत्नसूरीश्वरजी अपने सहयोगी संत मुनिश्री भाग्यचंद्र विजयजी व बालमुनि श्री भक्तिदर्शनविजयजी के साथ विराजमान है। आचार्य पद प्राप्त कर संतगण पहली बार बेंगलूरु आए हैं। इस मौके पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि किसी पद को पाने के बाद उसकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती है। आचार्य जैन धर्म में तीर्थंकरों के प्रतिनिधि माने जाते हैं। उन्होंने सभी लोगों के ज्यादा से ज्यादा धर्मध्यान करने की सलाह देते हुए धर्म का ज्ञान दिया। इस मौके पर अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**